काशी में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, स्वतंत्रता के इतिहास में आध्यात्मिक धारा का जिक्र कम

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः26 अंक :218 दिनांकः15-12-2021 बुधवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

ओमिक्रोन को लेकर महाराष्ट्र से आई चिंताजनक खबर, आठ लोग मिले संक्रमित, नहीं किया दूसरे देश का दौरा

नवंबर में फिर भड़की महंगाई, एक दशक के उच्चतम स्तर 14.23 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगाई ने आम लोगों की हालत खराब कर रखी है। मंगलवार को आई रिपोर्ट के अनुसार थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति नवंबर में एक दशक के उच्चतम स्तर 14.23 प्रतिशत पर पहुंच चुकी है, जिसका मुख्य कारण खनिज तेलों, धातुओं, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की कीमतों में भारी बढ़ोतरी है। अप्रैल से शुरू होने के बाद लगातार आठ महीने से थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति डबल डिजिट में बनी हुई है।

इस साल अक्टूबर में महंगाई दर 12.54 फीसदी थी, जबकि नवंबर 2020 में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि नवंबर 2021 में मुद्रास्फीति की उच्च दर, मुख्य रूप से पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में खनिज तेलों, मूल धातुओं, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, रसायन और रासायनिक उत्पादों, खाद्य उत्पादों आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

नवंबर में ईंधन और पावर बास्केट में मुद्रास्फीति बढ़कर 39।81 फीसद हो गई, जबकि अक्टूबर में यह 37.18 फीसद थी। खाद्य सूचकांक पिछले महीने के 3.06 फीसदी की तुलना में दोगुने से अधिक बढ़कर 6.70 फीसदी हो गया। समीक्षाधीन माह में कच्चे पेट्रोलियम की मुद्रास्फीति 91.74 प्रतिशत रही, जबकि अक्टूबर में यह 80.57 प्रतिशत थी। वहीं, मैनूफैक्चर आइटम में अक्टूबर में 12.04 प्रतिशत की तुलना में 11.92 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

आंकड़ों से पता चलता है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 4.91 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो एक महीने पहले 4.48 प्रतिशत थी, क्योंकि खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी। वहीं उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति की बात करें तो यह भारतीय रिजर्व बैंक के कंफर्ट जोन में रही। सरकार ने केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत पर रखने का आदेश दिया है।

नवंबर 2021 में डब्लूपीआई मुद्रास्फीति में 14.2 फीसदी के नए उच्चतम स्तर पर स्पाइक एक झटके के रूप में आया है, विशेष रूप से अधिकांश गैर-प्रमुख श्रेणियों में मुद्रास्फीति दर अपेक्षा से बहुत अधिक है। अक्टूबर 2021 में 12.5 फीसदी से नवंबर 2021 में डब्लूपीआई मुद्रास्फीति में बढ़कर 14.2 फीसदी जाने का मुख्य कारण खाद्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि रहा। यह 1.7फीसदी की अवस्फीति से 4.9फीसदी की मुद्रास्फीति तक चला गया। खनिज, ईंधन और बिजली, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस से कोर-डब्ल्यूपीआई चढ़ा है। केवल गैर-खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित खाद्य उत्पादों ने नवंबर 2021 में साल-दर-साल मुद्रास्फीति में नरमी दर्ज की।

महाराष्ट्र में फिर मिले ओमीक्रॉन संक्रमण के 8 नए मरीज, बढ़ने लगी चिंता

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र में कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रॉन लगातार फैलता जा रहा है जिससे चिंता बढ़ने लगी है. मंगलवार को फिर राज्य में ओमीक्रॉन के 8 नए मरीज मिले हैं. इनमें मुंबई में 7 तथा एक मरीज मुंबई से सटे वसई-विरार क्षेत्र का निवासी है. राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब तक महाराष्ट्र में 28 ओमीक्रॉन संक्रमित मरीज पाए गए हैं. इनमें से 9 ओमीक्रॉन से ठीक हो चुके हैं. इस तरह फिलहाल राज्य में 11 ओमीक्रॉन संक्रमित मरीजों का इलाज शुरू है. राज्य में अब तक 20 ओमीक्रॉन संक्रमित मरीजों में से 12 मुंबई के, 10 पिंपरी चिंचवड के, पुणे शहर में 2, कल्याण-डोंबिवली से 1, वसई-विरार से 1, नागपुर से 1 तथा लातूर से 1 मरीज मिले हैं. इस बीच 1 दिसंबर से अब तक हाई रिस्क देशों से कुल 13 हजार 615 यात्री आ चुके हैं. जबकि अन्य देशों से 77 हजार 705 यात्री आ चुके हैं. यानी इस समय तक कुल 91 हजार 320 यात्री महाराष्ट्र में आ चुके हैं. विदेश से आए जिन लोगों का आरटीपीसीआर टेस्ट किया गया है, ऐसे कुल 15 हजार 621 लोग हैं. इनमें से 13 हजार 615 हाई रिस्क देशों से आए लोग हैं. जबकि दूसरे देशों से 2 हजार 006 यात्री आए हैं. एक दिसंबर से अब तक हाई रिस्क देशों और अन्य देशों से आए 38 लोगों में कोरोना संक्रमण पाया गया है. इन 38 मरीजों में से 30 मरीज हाई रिस्क देशों से आए. जबकि 8 लोग अन्य देशों से आए हैं.

लखीमपुर हिंसाः एसआईटी जांच में खुलासा- हादसा नहीं, हत्या की सोची समझी साजिश

लखीमपुर खीरी (ईएमएस)। यूपी के लखीमपुर तिकुनिया हिंसा की वारदात के तीन महीने बाद एसआईटी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच टीम ने इसे हत्या की सोची समझी साजिश बताते हुए मुख्य आरोपी मंत्री पुत्र आशीष मिश्रा समेत सभी आरोपियों पर कई संगीन धाराएं बढ़ा दी हैं। इसमें धारा 307, 326 और 34 शामिल है। इसके साथ ही जांच टीम ने बढ़ाई गई धाराओं में आरोपियों की रिमांड लेने के लिए कोर्ट में अर्जी दी है। गौरतलब है कि तिकुनिया कांड में चार किसान और एक पत्रकार की हत्या में मंत्री पुत्र आशीष मिश्रा पर मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसमें धारा 302, 304ए, 147, 148, 149, 279, 338 और 120बी लगी हुई थी। इन्हीं धाराओं में एसआईटी ने आशीष मिश्रा उर्फ मोनू, अंकित दास और सुमित जायसवाल समेत सभी आरोपियों को जेल भेजा था। मुकदमें की विवेचना अभी जारी है।

विवेचना में एसआईटी ने पाया है कि जेल में बंद सभी आरोपियों ने धारा 307 (जानलेवा हमला) धारा 326 (अंग भंग करना) और धारा 34 (एक राय) का अपराध किया है। एसआईटी ने मुकदमें में धारा 34, 307 और 326 बढ़ा दी है। बढ़ाई गई धाराओं में आरोपियों की रिमांड लेने के लिए विवेचक ने सोमवार को कोर्ट में अर्जी दी है। इस अर्जी पर कोर्ट ने मंगलवार को आरोपियों को तलब किया है। एसआईटी ने विवेचना के दौरान यह भी पाया है कि आरोपियों पर धारा 304ए, 279और 338 का अपराध नहीं बनता है। एसआईटी ने मुकदमे से धारा 304ए, 338 और 279 को हटा दिया है। एसआईटी के मुख्य जांच अधिकारी विद्याराम दिवाकर ने साफ कर दिया है कि यह लापरवाही व उपेक्षापूर्वक गाड़ी चलाते हुए दुर्घटनावश मृत्यु का का मामला नहीं है। सोची समझी साजिश के चलते भीड़ को कुचलने, हत्या करने, हत्या की कोशिश के साथ ही अंग भंग करने की साजिश का मामला है। बता दें कि 3 अक्टूबर को हुई इस घटना में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हुई थी।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, विपक्ष की आवाज कुचली जा रही हैं, यह लोकतंत्र की हत्या

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में ''अशोभनीय आचरण को लेकर शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किए गए राज्यसभा के 12 सांसदों का निलंबन रद्द करने की मांग कर मार्च निकाला।विपक्षी नेताओं ने महात्मा गांधी की प्रतिमा से विजय चौक तक मार्च निकाला। राहुल गांधी, निलंबित सांसद, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, शिवसेना नेता संजय राउत और कई अन्य नेता मार्च में शामिल हुए। मार्च के बाद राहुल गांधी ने कहा, सांसदों के निलंबन को 14 दिन हो चुके हैं। सदन में विपक्ष जो चर्चा करना चाहता है, सरकार वह चर्चा नहीं होने देती। विपक्षी सदस्य अपनी आवाज उठाते हैं,तब सरकार उन्हें डराकर-धमकाकर निलंबित कर देती है। विपक्ष की आवाज कुचली जा रही हैं, यह लोकतंत्र की हत्या है।राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर कहा, तीन चार इसतरह के मुद्दे हैं, जिनका सरकार नाम तक नहीं लेने नहीं देती। प्रधानमंत्री सदन में नहीं आते हैं। यह सही तरीका नहीं है।''

संजय राउत ने कहा कि यह सिर्फ 12 सांसदों का निलंबन नहीं, बल्कि यह किसानों के आंदोलन के लिए यह सांसदों का सबसे बड़ा बलिदान है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र और न्याय शब्दों को यह सरकार सुनना ही नहीं चाहती है...आज तक हमारे लोकतांत्रिक इतिहास में यह नहीं देखा गया.... इसके खिलाफ हम लड़ने वाले हैं। पिछले 29 नवंबर को आरंभ हुए संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के 12 सदस्यों को इस सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया था। निलंबन के बाद से ये सांसद संसद की कार्यवाही के दौरान प्रतिदिन सुबह से शाम तक संसद परिसर में धरना दे रहे हैं।

केंद्र की चार धाम डबल लेन सड़क परियोजना को सुप्रीम कोर्ट की इजाजत

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार की चार धाम सड़क परियोजना को अंततः सुप्रीम कोर्ट की अनुमति मिल गई है। पहले शीर्ष कोर्ट ने सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर चारधाम सड़क परियोजना के लिए डबल लेन की अनुमति नहीं दी थी। इसके साथ ही पूर्व जज जस्टिस एके सीकरी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला मोदी सरकार के लिए राहत भरा है। सुप्रीम कोर्ट ने ऑल वेदर राजमार्ग परियोजना में सड़क की चौड़ाई बढ़ाने की इजाजत दे दी जिसके बाद डबल लेन हाइवे बनाने का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा अदालत न्यायिक समीक्षा में सेना के सुरक्षा संसाधनों को तय नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि हाइवे के लिए सड़क की चौड़ाई बढ़ाने में रक्षा मंत्रालय की कोई दुर्भावना नहीं है।

रक्षा मंत्रालय का कहना था कि इस सड़क के निर्माण से भारत की फौज को सीमा तक टैंक और हथियारों के साथ पहुंचने में काफी आसानी होगी और पर्वतीय क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ेगी। एक एनजीओ ने सड़क को 10 मीटर तक चौड़ा डबल लेन बनाने को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने देश की रक्षा ज़रूरतों के आधार पर सरकार की अधिसूचना को सही ठहराया। लेकिन पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं पर नज़र रखने के लिए पूर्व जस्टिस एके सीकरी की अध्यक्षता में कमिटी का गठन किया। कमिटी सीधे सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट देगी। चारधाम परियोजना का उद्देश्य सभी मौसम में पहाड़ी राज्य के चार पवित्र स्थलों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ को जोड़ना है। इस परियोजना के पूरे हो जाने के बाद हर मौसम में चार धाम की यात्रा की जा सकेगी। इस परियोजना के तहत 900 किलोमीटर लम्बी सड़क परियोजना का निर्माण हो रहा है जिसमें से अभी तक 400 किमी सड़क का चौड़ीकरण किया जा चुका है। एक अनुमान के मुताबिक, अभी तक 25 हजार पेड़ों की कटाई हो चुकी है, जिससे पर्यावरणविद नाराज हैं।

गैर सरकारी संगठन 'सिटीजन फॉर ग्रीन दून' ने एनजीटी के 26 सितंबर 2018 के आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। एनजीटी ने व्यापक जनहित को देखते हुए इस परियोजना को मंजूरी दी थी। एनजीओ का दावा था कि इस परियोजना से इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी को होने वाले नुकसान की भरपाई नहीं हो सकेगी।

सोनिया गांधी ने एनसीपी, डीएमके और शिवसेना के नेताओं से चर्चा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। 12 सांसदों के संसद के शीतकालीन सत्र की शेष अवधि से निलंबन के मुद्दे पर रणनीति बनाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एनसीपी, डीएमके और शिवसेना के नेताओं से चर्चा की. सूत्रों ने बताया कि एनसीपी के नेता शरद पवार, शिवसेना नेता संजय राउत,; डीएमके के टीआर बालू, वाम दलों के नेता सीताराम येचुरी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारुक अब्दुल्ला और राहुल गांधी भी बैठक में उपस्थित थे. बैठक में तृणमूल कांग्रेस की अनुपस्थिति चर्चा का विषय रही।

सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस, जिसका इस समय कांग्रेस के साथ कुछ टकराव चल रहा है, को बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया है.

सूत्र बताते हैं कि नेताओं ने मामले में शरद पवार से राज्यसभा के चेयरमैन वेंकैया नायडू से मामले में आगे का रास्ता तलाशने के लिए बात करने को कहा है. ज्ञात रहे कि सांसदों का निलंबन, संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध का अहम कारण रहा है और इसके कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई है. इससे पहले, आज ही मीडिया से बातचीत के दौरान विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार इस मसले पर विपक्ष की आवाज नहीं सुन रही है. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था, 'यह व्यक्तिगत प्रतिष्ठा की नहीं, संसदीय गरिमा की लड़ाई है. ये सिर्फ निलंबन वापसी की लड़ाई नहीं है बल्कि संसदीय लोकतंत्र की बहाली की लड़ाई है.'डीएमके सांसद त्रिची शिवा ने कहा, 'सरकार मुद्दों पर डिबेट नहीं होने दे रही. तीन-चार मुद्दे हैं जिनका नाम भी नहीं लेने दे रही. पीएम खुद सदन में नहीं आते.सरकार विपक्ष का दबाकर और डराकर रखना चाहती है.'

शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा, 'हर सांसद को सदन में आने का हक़ है. सरकार बहुत सख़्त रवैया अपना रही है.बहुत ही अलोकतांत्रिक रवैया है.निलंबित सांसद इस ठंड में भी गांधी प्रतिमा पर बैठते हैं.'

कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा ने 25 विधान परिषद सीटों में से 11 पर जीत हासिल की

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा ने 25 विधान परिषद सीटों में से 11 पर जीत हासिल की, जिसके लिए पिछले शुक्रवार को मतदान हुआ था। आज मतगणना के बाद पार्टी को 75 सदस्यीय सदन में बहुमत नहीं मिला। उसे यह बहुमत हासिल करने की उम्मीद थी ताकि वह अब विधेयकों को पारित करने के लिए जनता दल सेक्युलर या जेडीएस पर निर्भर न रहे - जैसा कि वह अतीत में करता रही है।

कांग्रेस ने भी 11 सीटें जीतीं, जबकि एचडी कुमारस्वामी की जनता दल सेक्युलर ने छह सीटों में से दो पर जीत हासिल की। सीटें हसन में थीं। कुल मिलाकर, 25 सीटों के लिए 90 उम्मीदवार मैदान में थे। पात्र मतदाताओं की संख्या 99025 थी।

परिषद के द्विवार्षिक चुनाव परिषद के मौजूदा सदस्यों की सेवानिवृत्ति के बाद आयोजित किए गए थे। निवर्तमान सदस्यों में से 14 कांग्रेस के, सात भाजपा के और चार जेडीएस के थे।

कुल मिलाकर, भाजपा के सदन में 32, कांग्रेस के 29 और जेडीएस के 12 सदस्य हैं।

महाराष्ट्र में अब रात्रि में भी होगा कोरोना टीकाकरण

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में टीकाकरण की रफ्तार को और तेज करने के लिए बीएमसी प्रशासन ने नाइट वैक्सीनेशन की शुरुआत की है। जिसके चलते अब रात में भी लोगों को टीका लगाया जा सकता है। मुंबई के कोलाबा इलाके में सोमवार रात को भी लोग टीका लगवाते नजर आए। बीएमसी की ओर से सोमवार से ही कई इलाकों में ।नाइट वैक्सीनेशन की शुरुआत की गई है और इसके जरिए टीकाकरण अभियान को जल्द पूरा करने की कोशिश की जा रही है।

बता दें कि बीएमसी की कोशिश है कि जनवरी के अंत तक मुम्बई में सभी लोगों के टीकाकरण को पूरा किया जाए और उसी के लिए प्रशासन की ओर से कई कदम उठाए जा रहे हैं।

उधर, अहमदनगर के जामखेड़ में टीकाकरण बढ़ाने के लिए लकी ड्रॉ शुरू किया है। 12 से 24 दिसंबर के बीच टीका लगाने वालों को फ्रिज, टीवी जैसे कई इनाम दिए जाएंगे। स्थानीय अधिकारी प्रकाश पॉल ने बताया कि जो भी लोग पहला डोज लेंगे, उन्हें हम यह लकी ड्रॉ कूपन देंगे और इससे हम उम्मीद कर रहे हैं कि वैक्सीनेशन से ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ेंगे और जल्द ही वैक्सीनेशन का काम पूरा होगा। महाराष्ट्र में अबतक 12 करोड़ 45 लाख से ज्यादा लोगों को टीके लगाए जा चुके हैं और 4 करोड़ 66 लाख से अधिक लोगों को दोनों टीके लग चुके हैं।

भारत को हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए - राजनाथ

नई दिल्ली (ईएमएस)।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत को अपने दुश्मनों के खिलाफ न्यूनतम विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए तुरंत हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिन देशों ने रक्षा नवाचार किया है, उन्होंने अपने दुश्मनों को बेहतर बनाया है और इतिहास पर अपनी छाप छोड़ी है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के एक कार्यक्रम में उन्होंने अपने भाषण में कहा, ठइसलिए हमें खुद को मजबूत करना चाहिए और किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।ठ सिंह ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि रक्षा प्रौद्योगिकियों के मामले में भारत अग्रणी हो। मंत्री ने कहा, ठहमें उन प्रौद्योगिकियों को भी प्राप्त करना होगा जो अभी कुछ ही देशों के पास हैं।ठ

सिंह ने कहा कि समय बीतने के साथ बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणालियां और अधिक मजबूत होती जा रही हैं।

उन्होंने कहा, ठन्यूनतम विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए, हमें तुरंत हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकास के बारे में सोचना होगा। यह हमारे रक्षा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम होगा और हम सभी को इसमें अपना प्रयास करना होगा।ठ

उन्होंने कहा कि डीआरडीओ द्वारा डिजाइन और विकसित किए गए और देश के सशस्त्र बलों को सौंपे गए कई प्लेटफार्मों ने भारत के सुरक्षा ढांचे को मजबूत किया है। सिंह ने कहा, ठजैसे-जैसे समय बदल रहा है, हमारी रक्षा आवश्यकताएं भी उसी के अनुसार बदल रही हैं।ठ उन्होंने कहा कि आज युद्ध के मैदान में 'तकनीक' नाम का एक नया योद्धा आया है, जिस तरह से युद्ध के मैदान में प्रौद्योगिकी की भूमिका बढ़ी है, वह अद्भुत और अभूतपूर्व है।

जिन्ना-गन्ना के बाद अब औरंगजेब और शिवाजी की एंट्री अखिलेश को घेरने में जुटी बीजेपी

बनारस (ईएमएस)। यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर नेताओं के बीच प्रतीकों (सिंबल) के जरिए लड़ाई का सिलसिला तेज हो गया है। हर राजनीतिक दल अपनी-अपनी पसंद के प्रतीकों को आगे कर अपने समीकरण दुरुस्त करने में जुटा है। अभी सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जिन्ना और वेस्ट यूपी में गन्ना वाली सियासत गर्म ही थी कि अब औरंगजेब और शिवाजी के जरिए भाजपा भी सपा की घेराबंदी में जुट गई हैहिंज;गौरतलब है कि वाराणसी में विश्वनाथधाम के लोकार्पण के बाद आयोजित सभा में पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि काशी तो अविनाशी है। आताताययों ने इस नगरी पर आक्रमण किए, इसे ध्वस्त करने के प्रयास किए। औरंगजेब के अत्याचार, उसके आतंक का इतिहास साक्षी है। जिसने सभ्यता को तलवार के बल पर बदलने की कोशिश की। लेकिन इस देश की मिट्टी बाकी दुनिया से कुछ अलग हैहिंज;यहां अगर औरंगजेब आता है तो शिवाजी भी उठ खड़े होते हैं। अगर कोई सालार मसूद इधर बढ़ता है तो राजा सुहेलदेव जैसे वीर योद्धा उसे हमारी एकता की ताकत का अहसास करा देते हैं। अंग्रेजों के दौर में भी, हेस्टिंग का क्या हश्र काशी के लोगों ने किया था, ये तो काशी के लोग जानते ही हैं।अखिलेश यादव ने 31 अक्टूबर को हरदोई में एक जनसभा में मुस्लिम लीग के नेता और पाकिस्तान के संस्थापक जिन्ना के बारे में कहा था, 'सरदार वल्लभ भाई पटेल, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और (मोहम्मद अली) जिन्ना ने एक ही संस्थान से पढ़ाई की और बैरिस्टर बने और उन्होंने आजादी दिलाई। उन्हें आजादी के लिए किसी भी तरीके से संघर्ष करना पड़ा होगा तो पीछे नहीं हटे।' इसके बाद से ही बीजेपी उन्हें इस मुद्दे पर घेर रही हैहिंज;उधर, पीएम मोदी के वाराणसी दौरे को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक अन्य बयान पर भी विवाद छिड़ गया है। अखिलेश ने कर्लहिंज;प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी दौरे पर कटाक्ष करते हुएहिंज;कहा थाहिंज;कि अंतिम समय पर काशी से अच्छी जगह कोई और नहीं है, इसलिए प्रधानमंत्री को एक महीने के बजाय तीन महीने तक बनारस में रहना चाहिए। अपने पैतृक गांव सैफई मे सोमवार को पार्टी कार्यकर्त्ताओं से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश ने पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर कहा कि बहुत अच्छी बात है, वो जगह रहने वाली है, आखिरी समय मे वही काशी में रहा जाताहिंज;उनके इस बयान को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- 'दुनिया विश्वनाथ धाम के उद्घाटन के अवसर की गवाह बनी। हर देशवासी अभिभूत हुआ। आनन्दित हुआहिंज;श्रमिकों का प्रधानमंत्री जी द्वारा सम्मान और उनके साथ भोजन देशवासियों को भावुक करने वाला पल था।

सरकारी क्षेत्र के तीन बैंकों में दे दिन 16, 17 दिसंबर को रहेगी हड़ताल

-इन बैंकों के ग्राहक पहले निपटा ले काम

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बाद, तीन और सरकारी बैंकों, पंजाब नेशनल बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और आरबीएल बैंक 16 और 17 दिसंबर को बैंक हड़ताल पर जा रहे है इसकी वजह से इन बैंकों के कामकाज पर असर पड़ेगा। पीएनबी ने स्टॉक एक्सचेंज को दिए गए एक बयान में कहा है कि बैंक ने अपनी शाखाओं और ऑफिस में सामान्य कामकाज के लिए इंतजाम किए हैं, लेकिन हड़ताल की वजह से बैंक के कामकाज पर असर पड़ सकता है। वहीं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने कहा है कि उसने हड़ताल से निपटने के लिए सभी शाखाओं और दफ्तरों में सामान्य कामकाज के लिए मौजूदा गाइडलाइंस के सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। हालांकि हड़ताल की स्थिति में शाखाओं या ऑफिस के कामकाज पर असर पड़ सकता है।

आरबीएल बैंक ने कहा है कि विरोध करने वाली यूनियनों से जुड़े उसके कर्मचारी हड़ताल में हिस्सा ले सकते हैं, जो कि इंडस्ट्री लेवल पर हैं, उनका बैंक स्तर के मुद्दों से कोई संबंध नहीं है। बैंक ने आगे कहा है कि हड़ताल के दिनों में बैंक की शाखाओं, दफ्तरों में सामान्य कामकाज के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। हालांकि हड़ताल की वजह से हमारी शाखाओं में कामकाज पर असर पड़ने के आसार नजर आ रहे हैं। इसके पहले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने कहा था कि यूनाइटेड फोरम ऑफ इंडिया द्वारा बुलाई गई 16-17 दिसंबर को दो दिन की हड़ताल से बैंक के सामान्य कामकाज पर असर पड़ने की संभावना है। एसबीआई ने कहा है, ठहमें इंडियन बैंक्स एसोसिएशन से जानकारी मिली है कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने हड़ताल का नोटिस दिया है। जिसमें यह कहा गया है कि यूएफबीयू संघों के सदस्य जैसे एआईबीईए, एआईबीसी, एनसीबीई, एआईबीओए, बीईएफआई, आईएनईएफ और आईएनबीओसी एनसीबीई, एआईबीओए, बीईएफआई, आईएनबीईएफ और आईएनबीओसी ने अपनी मांगों के समर्थन में 16 और 17 दिसंबर 2021 को देशव्यापी बैंक हड़ताल पर जाने का प्रस्ताव रखा है। वहीं एसबीआई ने यह भी कहा कि उसने हड़ताल के दौरान अपनी शाखाओं में सामान्य कामकाज के लिए जरूरी व्यवस्थाएं की हैं।

कार्टून कोना

जनवरी में हो सकती है 5 राज्यों के चुनाव की घोषणा, आज से शुरू होगा चुनाव आयोग का दौरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत 5 राज्यों के चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए कल यानी 15 दिसम्बर से चुनाव आयोग का दौरा शुरू होगा। चुनाव आयोग के दौरे की शुरुआत पंजाब से होगी। पंजाब में दो दिवसीय यानी 15 और 16 दिसम्बर को चुनाव आयोग की टीम दौरा करेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा, चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चन्द्र पांडे के अलावा चुनाव आयोग के दूसरी अधिकारी पंजाब का दौरा करेंगे।

चुनाव आयोग अपने दौरे के दौरान पंजाब के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से मुलाकात करेगा। चुनाव आयोग सभी 5 राज्यों का बारी बारी से चुनावी दौरा करेगा जिसके बाद तैयारियों की समीक्षा कर तारीखों का ऐलान किया जाएगा। चुनाव आयोग यूपी का दौरा दिसंबर महीने के अंत में करेगा और उत्तर प्रदेश के तमाम अधिकारियों से मिलेगा और चुनाव तैयारियों की समीक्षा करेगा। उत्तर प्रदेश में कई चरणों में मतदान होता रहा है। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक चुनाव की घोषणा जनवरी महीने में की जाएगी और फरवरी और मार्च महीने के दौरान मतदान और मतगणना की तारीखें घोषित की जाएंगी। चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत जनवरी महीने में हो जाएगी। यूपी में विधानसभा की 403 सीटें, पंजाब में 117 सीटें गोवा में 40 सीटें मणिपुर में 60 सीटें और उत्तराखंड में 70 विधानसभा की सीटें हैं। सभी सीटों पर 15 मार्च से पहले चुनाव पूरा हो जाएगा।

बाबा विश्वनाथ की नगरी से सत्ता में बने रहने का मंत्र दिया मोदी ने

चुनाव प्रचार के फोकस में काशी-अयोध्या

-भाजपा शासित राज्यों के सीएम ठडबल इंजन सरकारठ के प्रचार का बनेंगे चेहरा

वाराणसी (ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भाजपा शासित 12 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्रियों ने अपने काम के बारे में पीएम मोदी को रिपोर्ट दी। वहीं पीएम ने सभी मुख्यमंत्रियों से आगामी चुनाव, प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रशासन पर चर्चा की। उसके बाद उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए मंत्री दिया। मोदी ने आगामी विधानसभा चुनावों में काशी-अयोध्या पर फोकस करने को कहा। साथ ही भाजपा शासित राज्यों के सीएम ठडबल इंजन सरकारठ के प्रचार का चेहरा बनेंगे। प्रधानमंत्री ने असम, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों के साथ गुड गवर्नेंस को लेकर बैठक की। बैठक में जे पी नड्डा और भूपेंद यादव भी मौजूद थे।

मिली जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्रियों से कहा गया है कि उन्होंने जो योजनाएं बनाई हैं उसका खुद निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि उन योजनाओं का फायदा अंतिम आदमी तक पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक पीएम ने मुख्यमंत्रियों से अपनी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने और संगठन के साथ तालमेल बिठाने को भी कहा है। चूंकि यूपी का चुनाव भाजपा के लिए काफी अहमियत रखता है, इसलिए रणनीति के तहत काशी में ही तमाम भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई गई। आमतौर पर ऐसी बैठकें दिल्ली में हुआ करती हैं।

-पांच राज्यों के चुनाव पर फोकस

अगले साल उत्तर प्रदेश समेत उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी इस चुनाव में भाजपा शासित राज्यों के प्रदर्शन और विकास कार्यों की उपलब्धियों को चुनाव के दौरान बताएगी। केंद्र और राज्य में भाजपा शासित सरकार होने यानी ठडबल इंजन सरकारठ होने के क्या फायदे हैं, उसकी उपलब्धियों को लेकर भाजपा ने चुनाव में उतरने की रणनीति बनाई है। भाजपा को उम्मीद है कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर हो या अयोध्या का राम मंदिर, हिंदुत्व के एजेंडे से पार्टी को हमेशा की तरह इस चुनाव में भी फायदा होगा।

जन हितैषी

भाजपा का एजेंडा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण किया। यह कॉरिडोर न सिर्फ वाराणसी बल्कि पूर्वांचल के लिए विकास, व्यापार और रोजगार की धुरी बनेगा। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास से वाराणसी में पर्यटन, व्यापार और रोजगार के ढेरों अवसर उपलब्ध होंगे, जिनका लाभ पूर्वांचल के अन्य जिलों को मिलेगा। वाराणसी के लगातार विकास के पथ पर आगे बढऩे का लाभ न सिर्फ काशी को बल्कि आसपास के जिलों चंदौली, गाजीपुर, जौनपुर, मऊ, भदोही और मिर्जापुर के लोगों भी मिलेगा। पर्यटन सहित अन्य क्षेत्रों में व्यापार के नए अवसर मिलेंगे। साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के भी अवसर उपलब्ध होंगे। आने वाले समय में पूर्वांचल के लिए वाराणसी एक आर्थिक केंद्र के रूप में उभरेगा। योगी सरकार का प्रदेश के विकास को रफ्तार देने के लिए लगातार उद्घाटन और लोकार्पण का कार्य जारी है, फिर चाहे काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण की बात हो, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन की बात हो या फिर, सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना का लोकर्पण, गोरखपुर एम्स, खाद कारखाना, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास, भाजपा इन विकास योजनाओं के सहारे प्रदेश की जनता को साफ संदेश देने की कोशिश कर रही है कि प्रदेश में विकास की रफ्तार इसी तरह जारी रहेगी और इन्हीं के नाम पर भाजपा जनता के बीच जाएगी। काशी विश्वनाथ के लोकार्पण के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदुत्व के सांस्कृतिक सरोकारों पर अपनी सरकार के समर्पण और आस्था से संकल्पों को सिद्धि तक पहुंचाने का भी संदेश दिया। प्रतीकों के सहारे राजनीतिक मुद्दों को परवान चढ़ाकर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने के माहिर मोदी इस काम के जरिये भी भविष्य के समीकरण तो साधेंगे। साथ ही सभी को अहसास कराने की कोशिश करेंगे कि कोई उन पर कितना भी कड़ा और बड़ा हमला करे लेकिन वे भारतीय संस्कृति पर हुए आक्रमण से हुए बदलावों को बदलने के लिए कृत संकल्पित हैं। जिस तरह इस लोकार्पण समारोह का साक्षी बनने के लिए देश के भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों व उप मुख्यमंत्रियों तथा गठबंधन की सरकारों वाले राज्यों में बतौर उप मुख्यमंत्री जिम्मेदारी निभाने वाले भाजपा नेताओं को काशी बुलाया गया, उससे भी इस लोकार्पण के जरिए भाजपा सहित पूरे संघ परिवार की दूरगामी रणनीति को समझा सकता है। जाहिर है कि इस समारोह का साक्षी बनने वाले 11 मुख्यमंत्री और 9 उपमुख्यमंत्री इस कार्यक्रम के सिर्फ गवाह नहीं होंगे, बल्कि हिंदुत्व की सांस्कृतिक चेतना को नई धार देने के संदेश के भी देश भर में संवाहक होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह इन सभी को काशी के बाद अयोध्या ले जाकर वहां निर्माणाधीन रामलला की जन्मभूमि पर बन रहे भव्य मंदिर का निर्माण दिखाने तथा रामलला के दर्शन व पूजन का कार्यक्रम भी तय किया है, उससे साफ है कि 2022 में अयोध्या और काशी के बदलाव को केसरिया रंग को और गाढ़ा करने में काम लिया जाएगा। काशी विश्वनाथ धाम का कॉरिडोर का निर्माण अपने साथ कई संदेश छिपाए है। संदेश विध्वंस के खिलाफ निर्माण का, संहार के खिलाफ सृजन का। काशी को देश की सांस्कृतिक राजधानी ही नहीं कहा जाता बल्कि यहां लघु भारत बसता है। विदेशी सैलानियों का भी यहां आना जाना ज्यादा रहता है। समझा जा सकता है कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के जरिये भारतीय संस्कृति को सहेजने, संवारने और उसे सम्मान देने का संदेश सिर्फ देश के भीतर ही नहीं बल्कि विदेश तक पहुंचाने की तैयारी है ।

इस्लामी देशों में बदलाव की हवा

इस्लामी जगत में आजकल इतना बदलाव आ रहा है, जिसकी कल्पना अब से दस-बीस साल पहले कोई कर भी नहीं सकता था। इस्लाम के गढ़ सउदी अरब ने तबलीगी जमात के खिलाफ आदेश जारी कर दिए हैं, इस्राइल के प्रधानमंत्री संयुक्त अरब अमीरात जा रहे हैं और पाकिस्तान में मांग उठ रही है कि तौहीन-ए-अल्लाह का कानून वापस लिया जाए। सउदी अरब के इस्लामी मामलों के मंत्री डॉ. अब्दुल लतीफ अल-शेख ने एक आदेश जारी किया है कि मस्जिदों से हर शुक्रवार को होनेवाले जलसों में तब्लीगी और दावा संगठनों के भाषणों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। खास तौर से अल-अहबाब नामक संस्था पर। अब सउदी अरब की मस्जिदों में तबलीगी उपदेश नहीं होंगे। सउदी अरब की सरकार तबलीग जमात को 'आतंकवाद का द्वार' कहने लगी है, जबकि दुनिया के लगभग डेढ़ सौ देशों में सक्रिय यह जमात चल ही रही है, सउदी अरब के पैसे से। भारत के देवबंद के दारुल ऊलूम ने इस सउदी-घोषणा को बिल्कुल अनुचित बताया है और कहा है कि सउदी अरब ने पश्चिम के मालदार और ईसाई राष्ट्रों के दबाव में आकर यह गलत कदम उठाया है। याद करें कि लगभग दो साल पहले दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में आयोजित इस संगठन के जलसे को कोरोना महामारी लाने और फैलाने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। वास्तव में तबलीग का अर्थ होता ह्र– धर्म प्रचार! जमात के प्रवक्ता का कहना है कि जमात खुद आतंकवाद का विरोध करती है और उसका उद्देश्य भटके हुए मुसलमानों को फिर से इस्लाम के रास्ते पर लाना है। वास्तव में इस जमात की शुरुआत अब से लगभग 100 साल पहले मोहम्मद इलियास कंधलावी ने की थी, क्योंकि उन दिनों आर्यसमाजी नेता स्वामी श्रद्धानंद के नेतृत्व में मुसलमानों के धर्म-परिवर्तन (घर वापसी) की लहर चल पड़ी थी। ज्यादातर मुसलमान लोग आज भी इस्लाम कुबूल करने के बावजूद अपनी पुरानी हिंदू परंपराओं को निभाते रहते हैं। सउदी अरब के वहाबी लोग तबलीगी मुसलमानों को 'दरगाह पूजक' कहकर नीचा दिखाते हैं। उन्हें वे धर्मद्रोही (काफिर) और मूर्तिपूजक (बुतपरस्त) कहकर बदनाम करते हैं। कुछ मुस्लिम देश सउदी अरब के रास्ते पर जरुर चलेंगे लेकिन पाकिस्तान, तुर्की, बांग्लादेश, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों के लिए इसे मानना मुश्किल होगा।

इस्राइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट का दुबई और अबू धाबी पहुंचना कई मुस्लिम देशों को नागवार गुजर सकता है लेकिन कुछ माह पहले ही दोनों देशों ने आपस में कूटनीतिक संबंध स्थापित किए हैं जैसे कि बहरीन, सूडान और मोरक्को ने भी किए हैं। इस्राइल चाहता है कि ईरान हर हालत में परमाणु बम बनाने से बाज़ आए इसके लिए वह कुछ अरब देशों को पटाने की भरपूर कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान में हुई एक श्रीलंकाई व्यक्ति की हत्या ने वहां इस बहस को जन्म दे दिया है कि तौहीन-ए-अल्लाह या ईश निंदा का कानून कुरान-शरीफ के मुताबिक है या नहीं? पैगंबर मोहम्मद तो उनका अपमान करनेवालों को भी बर्दाश्त करते थे और जरुरत होने पर बड़ी दरियादिली से उनकी मदद भी कर देते थे। इस तरह की बहस इस्लामी चिंतन में आ रहे बदलाव की प्रतीक है। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

15 दिसम्बर 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	06.41 बजे से
चंद्र	मेष में	मकर	08.47 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	10.33 बजे से
बुध	धनु में	मीन	12.06 बजे से
गुरु	कुंभ में	मेष	13.36 बजे से
शुक्र	मकर में	वृष	15.16 बजे से
शनि	मकर में	मिथुन	17.15 बजे से
राहु	वृष में	कर्क	19.28 बजे से
केतु	वृश्चिक में	सिंह	21.44 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कन्या	23.56 बजे से
		तुला	02.07 बजे से
		वृश्चिक	04.21 ब.से

बुधवार 2021 वर्ष का 349 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 02.02 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी अहोरात्र।
योग शिव अहोरात्र।
करण बव 12.47 बजे तदनन्तर बालव 02.02 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 10.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 16'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871098
जूलियन दिन 2459563.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2547
हिजरी सन् 1443
महीना जमादि उलावल
तारीख 10
विशेष मत्स्य द्वादशी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

चरस-माफिया का बढ़ता चक्रव्यूह तोड़ना होगा ?

हिमाचल में चरस-माफिया का चक्रव्यूह बढ़ता जा रहा है इस चक्रव्यूह को तोड़ना होगा यदि लापरवाही बरती तो चारों तरफ चरस के सौदागरों का साम्राज्य फैल जाएगा फिर पछताने के अलावा कुछ हासिल नहीं होगा।ताजा मामलें में 6 दिंसबर को मंडी के नागचला-डडौर फोरलेन पर में एक एंबूलैंस के डैशबोर्ड से 712 ग्राम चरस बरामद की गई।गुप्त सूचना के आधार पर चरस तस्का को दबोचा गया।एंबूलैंस चालक को गिरफतार कर लिया है।तस्कर नए- नए तरीके अपनाकर चरस का काला कारोबार कर रहे है।एेबूलैंस में चरस का यह पहला मामला प्रकाश में आया है।हिमाचल पुलिस ने तस्करों की कमर तोड़ दी है मगर यह काला धांधां करने वाले अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे है।जनवरी 2021 से लेकर 30 नवंबर तक इन 11 महिनों में ऐसा कोई दिन नहीं होगा जब चरस की खेप न पकड़ी हो यह क्रम कभी नहीं टूटा है निरंतर बढता जा रहा है। चरस के मामलों में पडोसी राज्यों के लोगों की संख्या काफी है यह लोग हिमाचल में घूमने आते है और इस धंधे को करते है और पुलिस के हाथों से बच नहीं पाते।ऐसे लोगों को आजीवन कारावास देना चाहिए जो घूमने-फिरने की आड़ में काले धंधे कर रहे हैं। 26 सितंबर 2021 को कुल्लु में नाका बंदी के दौरान बंजार के एक युवक से 1 किलो से ज्यादा चरस बरामद की थी।कुल्लु के बंजार उपमंडल की श्रीकोट पंचायत के जंगल से 127 किलो चरस के पकडे जाने से देवभूमि की साख पर बटटा लगा था।295 किलो गांजा भी बरामद किया था। डेढ सालों में 412 किलों चरस पकडी गई है।यह प्रदेश की सबसे बड़ी खेप है।तत्कालिन एसपी गौरव सिंह व एसआईयू के नेतृत्व में 27 सदस्यों की सयुक्त टीम ने इस आपरेशन को अंजाम दिया था और चरस माफिया को बेनकाब किया था। चार लोगों को गिरफतार कर लिया था।चरस की कीमत करोडो में थी। आंकडो के अनुसार वर्ष 2002 में कुल्लु में 107 किलो चरस पकडी गई थी। 2 नवंबर 2019 को कुल्लू के तत्कालिन एसपी गौरव सिंह की अगुवाई में सुबह चार बजे माफिया के ठिकाने पर छापा मारा था।जब अरोपी सो रहे थे।कुल्लु की पार्वती घाटी के दुगर्म क्षेत्र पिनसू थाच में पुलिस ने चरस माफिया पर कड़ी कारवाई की थी। इस कारवाई में 3 किलो चरस ,एक क्ंविंटल भांग का बीज व गांजा बरामद किया था।पुलिस ने पांच महिलाओं समेत ढाई दर्जन आरोपियों को गिरफतार कर लिया है। आरोपी स्थानिय व नेपाली मूल के थै।पुलिस की इस कारवाई ने चरस माफिया की चुलें हिल गई है।अगर हर जगह ऐसी कारवाईयां होती रहे तों एक दिन हिमाचल चरस मुक्त हो

जाएगा।पुलिस ने 20 किलोमीटर पैदल चलकर कर इस आपरेशन को अंजाम दिया था। हिमाचल में चरस के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है।एक साल पहले सुंदरनगर में दो सगे भाईयों से 3 किलो नौ सौ चैतीस ग्राम चरस पकड़ने में सफलता हासिल की थी।नशा तस्करों ने विजिलैंस टीम पर हमला कर दिया था। चरस का कारोबार करने वाले रातों-रात अमीर बननें के चक्कर में इन काले धंधों में आकर अपना भविष्य दाव पर लगा रहे हैं। चरस माफिया के बढते कदम प्रदेश की युवा पीढी की विनाश की इबारत लिख रहे है।माफिया के लोग युवाओं का जीवन तबाह कर रहे है।युवा चंद पैसों के लालच में चरस का काला कारोबार कर रहे है और पकड़े जा रहे है।आज हजारो की संख्या में चरस के आरोपों में पकड़े गए

लोग जेलों में सड़ रहे है।चरस के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है प्रदेश पुलिस ने नशें के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है फिर भी यह लोग बेखौफ होकर चरस के कारोबार को अंजाम दे रहे है।चरस माफिया के कारण देवभूमि हिमाचल बदनाम होता जा रहा है।चरस माफिया निरकुंश होता जा रहा है इस पर अंकुश लगाना होगा।प्रदेश में प्रतिदिन बड़ी-बड़ी खेपें बरामद की जा रही है।चरस का यह कारोबार बढ़ता ही जा है।हर साल हजारों लोग पकड़े जा रहे है।चरस के मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है।एक सप्ताह पहले सुन्दरनगर में भी पंजाब के युवकों को दस किलो अफीम के साथ पकड़ा था।वर्ष 2021 के 11 महिनों में ऐसा कोई दिन नहीं होगा जिस दिन चरस न पकड़ी गई हो।चंबा से लेकर किन्नौर तक हर जगह चरस के मामले प्रकाश में आ रहे है।चरस के कारोबार करने वाले लोगों में अधिकांश लोग पड़ोसी राज्यों के ही है।चंद माफिया के लोगों की काली करतूतों के कारण देवभूमि की साख मिटटी में मिलती जा रही है।प्रदेश पुलिस को चरस का कारोबार करने वालों पर शिकंजा कसना होगा।चरस के कारण देवभूमि कलंकित होती जा रही है। पुलिस ने चरस माफिया के खिलाफ से

यह अभियान चला रखा है।हर रोज चरस पकड़ी जा रही है।प्रदेश के हर जिला में चरस माफिया के लोग पकड़े जा रहे है।अधेड़ से लेकर नाबालिग इन धंधों में सलिप्त है।महिलाएं भी पुरुषों से एक कदम आगे है। विदेशी-व पड़ोसी राज्यों के लोगों की बजह से हिमाचल विश्व स्तर पर कंलकित होता जा रहा है।प्रदेश में प्रतिदिन बड़े पैमाने पर चरस के मामले पकड़े जा रहे है मगर चरस माफिया अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।प्रदेश के लागों के साथ-साथ बाहरी राज्यों के लोग हर रोज चरस के साथ पकड़े जा रहे है।यह लोग पर्यटक बनकर चरस

का काला धंधा कर रहे है। प्रदेश के हर जिले में नशे के सौदागरों का जाल बिछता जा रहा है इस जाल को काटने में प्रदेश पुलिस अहम भूमिका निभा रही है मगर चरस माफिया को पूरी तरह नेस्तनाबूद नहीं कर पाया है। यदि पुलिस पूरी तरह से सक्रिय हो जाए तो इस माफिया के कदम रोक जा सकते हैं। अक्सर देखा गया है कि चरस का कारोबार करने वालों के साथ कई निर्दोष लोग भी फंसते जा रहे हैं या फंसाए जा रहे हैं जिनका कोई लेना -देना नहीं होता।

2021 के 11 माह में प्रदेश पुलिस ने प्रदेश के हर जिले में चरस की बड़ी-बड़ी खेपें पकड़ने में सफलता हासिल की है।काले सोने के इस कारोबार में महिलाएं भी पकड़ी जा रही हैं।मण्डी व कुल्लु, चंबा, जिला में हर रोज चरस के मामलों में अप्रत्याशित रुप से बढ़ोतरी हो रही है। चरस के इन सरगनाओं को सजा-ए-मौत देनी चाहिए जो मौत बांट रहे हैं और देश के भविष्य कहलाने वाले युवाओं को असमय मौत के मुंह में धकेल रहे हैं। चरस माफिया के सूत्रधारों को बेनकाब करना होगा क्योकि पुलिस की पकड़ में तो छोटी-छोटी मछलियां ही आती हैं जबकि बडे मगरमच्छ तो कम ही जाल में फंसते है।प्रदेश में चरस के आंकडे चैकांने वाले हैं। विदेशी लोग हिमाचल में घूमने के नाम पर चरस का कारोबार कर रहे हैं।गोरे लोग चरस का काला धंधा कर रहे है आज पता नहीं कितने ही विदेशी प्रदेश की जेलों में सजा काट रहे हैं। नेपाली लोग भी इस धधें में पकड़े जा रह ह यह नेपाली लोग होटलों व लोगों के घरों में नौकरियां करतें है हालाकि समय = पर भांग उखाड़ो अभियान चलाया जाता है मगर चरस के कारोबारी इस काम को बदस्तूर जारी रखे हुए हैं। चरस के आरोप में लोग तो जेलों में उम्रभर सड़ते है मगर इन आरोपियों के नये वाहन भी पुलिस चैकियों में सड़ जाते हैं। चरस के इस बढते कारोबार पर लगाम लगानी होगी।ऐसे भी मामले सामने आते हैं कि बसों में लावारिस बैगों में चरस बरामद होती है और सफर कर रहे निर्दोष लोगों को बेबजह परेशान किया जाता है पुलिस के कर्मचारियों द्वारा लोगों की तलाशी ली जाती हैं। बसों में सफर करने वाले संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जाए ताकि शरीफ व इज्जदार लोगों को राहत मिल सके जिन्हे बेवजहे परेशानी होती हैं।महिलाओं का भी चरस के इस कारोबार में संलिप्तता से हिमाचल की साख पर बदनामी का दाग चस्पां हुआ है चरस के काले करोबार मे हिमाचली महिलाएं चरस की सरगनाएं कैसे बन गई यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है कि ऐसी कौन सी मजबूरियां है कि महिलाओं को अपनी मान-मर्यादाओं का जरा भी ख्याल नहीं है कि इस काले कारोबार में फंसती जा रही है। प्रदेश में हर वर्ष सैंकड़ों क्विटंल चरस पकड़ी जाती है जिसे पुलिस विभाग के लोग आग के हवाले करके जला देते हैं। चरस के मुख्य सरगनाओं को सार्वजनिक स्थानो पर सजा देनी चाहिए । अगर अब भी लापरवाही बरती तो चरस माफिया की जड़े गहरी होती जाएगी जिन्हे काटना मुशिकल हो जाएगा।यह प्रदेश हित में है। पुलिस को अपना अभियान पूरा वर्ष जारी रखना चाहिए ताकि इन पर शिकंजा कसा रहे और चरस का यह काला धंधा पूरी तरह खत्म हो सके।ताकि गैर कानूनी कारोबार करने वाले लोग बेनकाब हो सकें।पुलिस को सक्रियता से इन माफिया के लोगों को पकडना होगा तभी इस पर पूर्ण रोक लग सकती हैं। प्रदेश में फैलते चरस माफिया के लोगों के इस जाल को काटना समय की पुकार है यदि लोगों ने कोई कदम न उठाए तो प्रदेश में चरस माफिया की जडें. इतनी फैल जाएगी कि इन्हे काटना बेहद मुशिकल हो जाएगा। ।हिमाचल पुलिस को अपना अभियान पूरा वर्ष जारी रखना चाहिए ताकि इन पर शिकंजा कसा रहे और चरस का यह काला धंधा पूरी तरह खत्म हो सके।ताकि गैर कानूनी कारोबार करने वाले लोग बेनकाब हो सकें।पुलिस को सक्रियता से इन माफिया के लोगों को पकडना होगा तभी इस पर पूर्ण रोक लग सकती हैं। समाज के लोगों को भी इस अभियान में सहयोग करना होगा ताकि इन चरस माफियों का साम्राज्य खत्म किया जा सके ।अभी समय है फिर पछतानें कि सिवाय कुछ नहीं होगा।चरस माफिया का सफाया करना होगा ताकि हिमाचल की साख पर दाग न लग सके।प्रदेश में फैलते चरस माफिया के लोगों के इस जाल को काटना समय की पुकार है यदि लोगों ने कोई कदम न उठाए तो प्रदेश में चरस माफिया की जडें. इतनी फैल जाएगी कि इन्हे काटना बेहद मुशिकल हो जाएगा। अगर अब भी लापरवाही बरती तो चरस माफिया की जड़े गहरी होती जाएगी जिन्हे काटना मुशिकल हो जाएगा।यह प्रदेश हित में है। चरस माफिष का फन कुचलना होगा।ऐसे आपरेशन होते रहेगें तो प्रदेश चरस मुक्त हो जाएगा। (लेखक-नरेन्द्र भारती / ईएमएस)

आज का इतिहास 15 दिसंबर

1675 कलाकार जान वरमीपर का निधन.
1683 अंग्रेजी भाषा के लेखक आइजक वाल्टन का निधन.
1803 ईस्ट इंडिया कंपनी और भोसले के बीच हुई संधि के बाद कटक सहित उड़ीसा अंग्रेजों के अधिकार में चला गया.
1840 नेपोलियन बोनापार्ट को पेरिस में दफनाया गया.
1951 सरदार वल्लभ भाई पटेल का निधन.
1952 कोरियाई संधि के बारे में भारत के प्रस्ताव को चीन ने ठुकरा दिया.
1961 नाजी एडोल्फ आइमैन को इजरायल में मौत की सजा दी गयी.
1964 कनाडा की संसद ने नया राष्ट्रीय ध्वज स्वीकार किया.
1971 सोवियत यान ने शुक्र ग्रह में संदेश भेजने का काम शुरु किया.
1986 कराची में भीषण जातीय दंगों में हजारों घर और दुकानों को आग लगा दी गयी.
1988 संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा ने पश्चिम एशिया पर अंतर्राष्ट्रीय शांति सम्मेलन बुलाने का आह्वान किया.
1991 मिस्र में एक यात्री नौका के डूबने से 474 लोग मारे गए.
1992 राजस्थान,मध्यप्रदेश व हिमाचल की भाजपा सरकारें बर्खास्त.
1995 इनसेट टू-सी का सफल प्रक्षेपण.
1999 बेनेजुएला ने नया संविधान स्वीकार किया.
2000 उक्रेन के राष्ट्रपति लियोनिद कुचमा ने चेरिनोबिल परमाणु संयंत्र बंद करने का आदेश दिया.
2002 गुजरात में भाजपा को दो तिहाई बहुमत मिला. नरेंद्र मोदी भाजपा विधायक दल के नेता बने.
2004 लड़कियों को पिता की संपत्ति में बराबर हक देने का मंत्रिमंडल का फैसला.

तीसरी बार भारत को मिस यूनीवर्सयानी ब्रम्हाण्ड सुन्दरी का खिताब

1994 में पहली बार सुष्मिता सेन फिर 2000 में लारा दत्ता और अब 21 साल बाद हरनाज संधू ने मिस यूनिवर्स यानी ब्रम्हाण्ड सुन्दरी का खिताब जीतकर भारत का मान फिर एक बार विश्व में बढ़ा कर यह संदेश दे दिया है कि हर क्षेत्र में हम दुनिया में किसी से कम नहीं हैं, पीछे नहीं हैं। इसराइल के एलात में हुई 70वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में 80 प्रतियोगियों को हराकर 2021 का मिस यूनीवर्स का खिताब हासिल करने वाली भारत की हरनाज संधू शुरू से ही प्रमुख दावेदार थीं। उन्होंने अंतिम राउण्ड में भारतीय दर्शन से भरा जवाब देकर खिताब अपने नाम कर लिया। पंजाब की 21 वर्षीय इस बाला ने पराग्वे की नादिया फरेरा और दक्षिण अफ्रीका की ललेला मसवाने को शिकस्त देते हुए मिस यूनीवर्स 2021 के खिताब पर अंतत: कब्जा कर दुनिया को भारत की चमक और धमक दिखा दी।

दरअसल हरनाज की हाजिर जवाबी ने चयनकर्ताओं को उनकी विलक्षण प्रतिभा का लोहा मनवा दिया जिसमें आखिरी दौर में टॉप थ्री की प्रतियोगियों से पूछा गया कि आज के दौर मे दबाव का सामना कर रही उन तमाम युवा महिलाओं को क्या सलाह देंगी जिससे वो दबाव का सामना कर सकें? इस पर हरनाज ने बहुत ही खूबसूरती से दार्शनिक लहजे में जो सच कहा उसने सभी का दिल जीत लिया। हरनाज ने कहा- ''आज के युवा पर सबसे बड़ा दबाव यही है कि वो खुद पर भरोसा करना सीखें और माने की आप स्वयं ही अनोखे हैं। बाहर निकलिए, खुद के लिए आवाज उठाना सीखिए क्योंकि अपने जीवन के लीडर आप खुद हैं और आप ही खुद की आवाज भी। मुझे देखिए, खुद की आवाज बनीं, खुद पर भरोसा किया और आज आपके सामने यहां तक आकर खुद ही खड़ी हुई।'' इसी जवाब ने सभी को उनका न केवल मुरीद बना दिया बल्कि चयनकर्ताओं की पहली पसंद भी। हरनाज ने सच ही कहा आज के युवा भटकाव का मार्ग छोड़ यदि खुद पर ही भरोसा कर लें तो कुछ भी असंभव नहीं है। दरअसल बढ़ती प्रतिस्पर्धा और मायावी दुनिया के बीच आज युवा स्वयं को कई मोड़ों पर भटकता हुआ पाता है। सही मार्गदर्शन के लिए भी अक्सर भटकता दिखता है और मार्गदर्शन के नाम पर भी उसकी पहले से ही खाली जेब पर ही भारी बोझ पड़ता है। जबकि यहाँ उसे स्वयं के प्रति विश्वास बल्कि कहें आत्मविश्वास से लबरेज होना चाहिए। अपनी क्षमताओं और प्रतिभाओं को खुद ही पहचानने और निखारने की क्षमता होनी चाहिए। उसे यह मानना चाहिए कि वह भी दुनिया के दूसरे सफलतम इंसानों की तरह है जो उससे किसी मामले में अलग नहीं है। ऐसे में वह भला क्यों नहीं कामियाब हो सकता? बस यही आत्मविश्वास किसी बड़े मंत्र के रूप में किसी भी युवा बल्कि इंसान की आगे की राहों को मजबूत करता है। हरनाज ने भी यही किया। दरअसल हरनाज की इस स्वीकारोक्ति के पीछे कहीं न कहीं हमारा भारतीय दर्शन भी छुपा हुआ है।

चण्डीगढ़ में पली-बढ़ी 21 वर्षीय हरनाज संधू ने वहीं से स्कूली शिक्षा और कॉलेज की शिक्षा ग्रहण की। इस प्रतिस्पर्धा में पराग्वे की नाडिया फरेरा दूसरे नंबर पर तथा दक्षिण अफ्रीका की लालेला म्सवाने तीसरे नंबर पर रहीं। आपको बता दें कि हरनाज संधू मॉडलिंग और एक्टिंग की दुनिया में भी सक्रिय हैं। वह 'यारां दियां पौ बारां' और 'बाई जी कुट्टांगे' जैसी पंजाबी फिल्मों में काम भी कर चुकी हैं। मिस यूनीवर्स के सबसे बड़े खिताब से पहले हरनाज संधू की झोली में और भी कई खिताब आ चुके हैं। 2017 में वह टाइम्स फ्रेश फेस मिस चंडीगढ़ रहीं जबकि 2019 उन्होंने फ़ेमिना मिस इंडिया पंजाब का खिताब भी जीता और 2019 की फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता के शीर्ष 12 में भी जगह बना चुकी हैं। आप 2021 में मिस दीवा 2021 का खिताब भी अपने नाम कर चुकी हैं। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय वेशभूषा के अलावा इवनिंग गाउन और स्विम वीयर के पारंपरिक प्रदर्शन के साथ-साथ प्रतियोगियों के सार्वजनिक मंच से बोलने की कौशल कला के परीक्षण के साथ ही सवालों की एक शृंखला भी शामिल थी जिसमें उन्होंने बहुत ही चतुराई और अद्भुत तरीके से अपना जवाब देकर सबको सम्मोहित सा कर लिया।

मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता 1952 में कैलिफोर्निया स्थित कपड़ा कंपनी पेसेफिक मिल्स द्वारा शुरू की गई थी। सौन्दर्य की दुनिया में सबसे ज्यादा मान्यता प्राप्त, प्रचारित और प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक है। इसमें सामान्यत: किसी देश के उम्मीदवार का चयन वहां के मुख्य शहरों में सौंदर्य प्रतियोगिताओं के जरिए होता है। जिसमें वहां के विजेता राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में कॉम्पीटीशन के जरिए एक तय श्रंखला के जरिए यहां तक पहुंचते हैं। इसमें विजेता प्रतिभागी को भारी भरकम राशि बतौर प्राइज मनी मिलती है।

दरअसल इस प्रतियोगिता में विजेता के लिए प्राइज मनी से ज्यादा वह प्रसिध्दि मिलती है जिससे वह एक लोकप्रिय शख्सियत बन जाते हैं और पूरी दुनिया उन्हें पहचानने लगती है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को तुरंत ही फिल्म व टीवी जगत में भरपूर काम व विज्ञापन भी मिलने लगते हैं। हमने सुष्मिता सेन और लारा दत्ता के मामलों में यही सब देखा है। हालांकि, प्राइज मनी के अमाउंट में कितनी सच्चाई है इसकी पुष्टि करना मुश्किल है। एक प्रतिष्ठित बेवसाइट के अनुसार मिस यूनिवर्स को एक साल तक सैलेरी भी दी जाती है। मिस यूनिवर्स बनने के बाद एक साल तक, यानी जब तक दूसरी मिस यूनिवर्स ना चुन ली जाए, विजेता को न्यूयॉर्क शहर में एक खूबसूरत अपार्टमेंट भी नि:शुल्क दिया जाता है। उसके खाने-पीने से लेकर यात्रा तक का सारा खर्च भी उठाया जाता है। दरअसर कई कीमती ज्वेलरी कंपनियों के साथ उनका टायअप होता है जिससे उनको मॉडलिंग से जुड़े तमाम ऑफर्स भी मिलते हैं। यही नहीं, मिस यूनिवर्स होने के नाते विजेता मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन की चीफ एम्बैसडर भी बन जाती हैं जिसके बाद उन्हें मीडिया और अलग-अलग देशों के कई ईवेंट्स में शामिल होनेके मौके भी मिलते हैं। हाँ, मिस यूनिवर्स अपना क्राउन एक साल या तब तक जब कि नई मिस यूनिवर्स ना चुन ली जाए, रख सकती हैं। उसके बाद वो क्राउन संस्था को लौटाना पड़ता है। यह क्राउन बहुत ही मंहगा होता है इन्हें पहनना ही बहुत शान और बड़ी बात होती है। (लेखक-ऋतुपर्ण दवे/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 7137

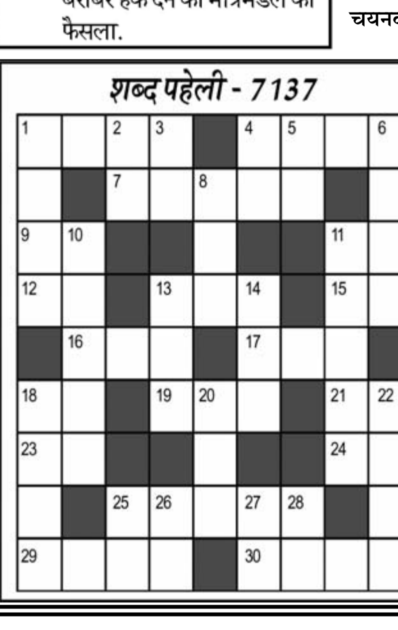

बाएँ से दाएँ
1.घूमना-फिरना-4
4.पक्षियों का शोर-4
7.धोखाधड़ी,मक्कारी-5
9.भस्म,खाक -2
11.आज्ञापालक,कर्मचारी-2
12.मगन,लीन-2
13.नेत्रावरण-3
15.त्याग,दक्षिणा-2
16.जीभ,जिव्हा-3
17.मक्खन-3
18.पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19.गर्भ-3
21.निवास,रहना-2
23.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.पानी,नीर-2
25.इच्छा पूर्ति करना-5
29.एक मुस्लिम महीना-4
30.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे
1.अनबन,झगड़ा-4
2.भालू-2
3.परिणाम-2
4.प्याला-2
5.बालों का गुच्छा-2
6.वर,इच्छापूर्ति-4
8.नीरज,जलज-3
10.भयानक-5
11.दयालु-5
13.आश्रय,शरण-3
14.करिश्मा,करतब-3
18.तहखाना-4
20.मगरमच्छ-3
22.शलवार,पायजामा-4
25.आनंद-2
26.झुका हुआ-2
27.पत्र,चिट्ठी-2
28.नासिका,घ्राणेंद्रिय-2

शब्द पहेली -7136 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी में दक्षिण कोरिया ने भारत को बराबरी पर रोका

ढाका (ईएमएस)। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच ढाका में हुआ एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी का पहला मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा है। इसमें भारतीय टीम के पास जीत का अच्छा अवसर था पर उसने शुरुआती बढ़त को खो दिया। इस मैच में भारतीय हॉकी टीम का पहले पहले दो क्वार्टर में दबदबा बना रहा पर तीसरे और चौथे क्वार्टर में कोरियाई टीम ने अच्छे हमले करते हुए 2 गोल कर मैच बराबरी पर ला दिया। अब भारतीय टीम का अगला मुकाबला बुधवार को मेजबान टीम बांग्लादेश से होगा।

इस मैच में भारत ने चौथे मिनट में ही ललित कुमार के गोल से बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम हावी रही। इस दौरान दक्षिण कोरियाई टीम ने बराबरी के कई प्रयास किये पर उसे सफलता नहीं मिली। हाफटाइम तक भारत 1-0 से आगे रहा। वहीं तीसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर को हरमनप्रीत सिंह ने गोल में बदल कर कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया।

इसके बाद कोरियाई टीम ने बराबरी के लिए हमले शुरु कर दिये। इस दौरान उसे तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले। जॉन्गयुंग जैंग ने तीसरे पेनल्टी कॉर्नर पर द.कोरिया के लिए पहला गोल किया। चौथे क्वार्टर में दक्षिण कोरिया ने एक और गोल कर स्कोर बराबरी पर ला दिया।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में सिंधु , लक्ष्य और श्रीकांत जीते

मिश्रित युगल में सौरभ और अनुष्का हारे

हुएलवा (ईएमएस)। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने यहां स्लोवाकिया की मार्टिना रेपिस्का को महिला एकल में 21-7, 21-9 से हराकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में जीत के साथ शुरुआत की है। वहीं पुरुष वर्ग में भारत के ही लक्ष्य सेन ने जापान के केंटा नाशिमोटो को 22-20, 15-21, 21-18 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। पुरुष एकल में ही किदाम्बी श्रीकांत भी जीत के साथ ही प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। श्रीकांत ने एक घंटे से अधिक समय तक चले इस मैच में चीन के ली शी फेंग को 15-21, 21-18, 21-17 से हराया। वहीं पुरुष युगल में सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपै के ली झी हुएइ और यांग पो सुआन को 27-25, 21-15 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। मिश्रित युगल में हालांकि सौरभ शर्मा और अनुष्का पारिख की भारतीय जोड़ी को मलेशिया के तान कियान मेंग और लाइ पेइ जिंग के हाथों सीधे गेम में 21-8, 21-18 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल की बात करें तो सिंधु ने अपनी गैरवरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी को केवल 24 मिनट में ही हरा दिया। सिंधु ने अच्छी शुरुआत की और शुरु में ही 4-1 से बढ़त हासिल कर ली।

वहीं मार्टिना ने दो अंक बनाकर वापसी का प्रयास किया पर इस अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ने उसे अवसर नहीं दिया। सिंधु ने ब्रेक तक 11-4 से बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भी उन्होंने अपना दबदबा बनाये रखा और केवल 10 मिनट में पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी को जीत मिली।

दक्षिण अफ्रीका में कड़े क्वारंटीन में नहीं रहेगी भारतीय टीम

एक ही दिन रहना होगा आइसोलेशन में

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को अपने दक्षिण अफ्रीका दौरे में कड़े (क्वारंटीन) पृथकवास से नहीं गुजरना पड़ेगा। दक्षिण अफ्रीकी बोर्ड ने भारतीय टीम को राहत देते हुए कहा है कि उसे केवल एक दिन अलग-थलग रहना होगा। इसके बाद होने वाली तीन कोरोना जांच में निगेटिव रिपोर्ट आने पर खिलाड़ी आइसोलेशन से बाहर आ जाएंगे। भारतीय टीम अपनी दक्षिण अफ्रीका दौरे में 26 दिसंबर से सेंचुरियन में पहला टेस्ट मैच खेलेगी।

वहीं बीसीसीआई ने इस दौरे पर रवाना होने से पहले खिलाड़ियों को तीन दिनों के लिए बायो-बबल में रखा है। भारतीय टीम 16 दिसंबर को जोहानिसबर्ग के लिए रवाना होगी। क्वारंटीन अवधि पूरी होने के बाद भारतीय टीम चार्टर्ड उड़ान के जरिए दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होगी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसके) के प्रवक्ता ने कहा, दक्षिण अफ्रीका पहुंचने के बाद टीम इंडिया पहले से तय होटल में एक दिन के लिए अलग-थलग रहेगी। यहीं सभी खिलाड़ियों के 3 कोरोना टेस्ट होंगे और रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद भारतीय टीम सेंचुरियन में अपने होटल के लिए रवाना होगी। यहीं 26 दिसंबर से पहल टेस्ट खेला जाना है। भारतीय टीम 19 दिसंबर से सेंचुरियन में अभ्यास शुरू कर सकती है।

गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के नए संस्करण ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को देखते हुए ही इस दौरे में खिलाड़ियों को परिवार साथ ले जाने की अनुमति नहीं दी है। जोहानिसबर्ग और सेंचुरियन में ओमिक्रॉन के नए मामले लगातार सामने आ रहे हैं और भारत को इन्हीं दो स्थलों पर पहले 2 टेस्ट खेलने हैं। इसके बाद एकदिवसीय सीरीज होगी पर टी20 सीरीज नहीं खेली जाएगी।

अनूठा होगा पेरिस ओलंपिक 2024 का उद्घाटन समारोह

पेरिस (ईएमएस)। साल 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों का उद्घाटन समारोह अनूठा होगा। इस समारोह में हजारों एथलीट सीन नदी पर नौकाओं पर सवार होंगे। इस दौर एफिल टावर के पीछे डूबता सूरज किसी विशाल स्वर्ण पदक की तरह से दिखेगा। ओलंपिक 2024 के उद्घाटन समारोह के आयोजकों के अनुसार ओलंपिक के इतिहास में यह अनूठा समारोह होगा। इसे नदी के किनारे हजारों लोग निशुल्क देख सकेंगे। वहीं आम तौर पर उद्घाटन समारोह स्टेडियम के भीतर आयोजित किये जाते हैं पर पेरिस आयोजन समिति ने पहले ही कुछ अलग करने के संकेत दे दिये थे। यह समारोह 26 जुलाई 2024 को होगा। इस समारोह की शुरूआत सभी 200 टीमों के खिलाड़ियों की परेड से शुरु होगी।

पाक ने साल 2021 में जीते सबसे ज्यादा 18 टी20 मुकाबले

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान ने अपनी तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले ही मैच में वेस्टइंडीज को 63 रनों से हराकर सीरीज में बढ़त हासि करने के साथ ही एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम एक साल में 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले एकमात्र टीम बन गयी है। इस पहले मुकाबले में मोहम्मद रिजवान के 78 और हैदर अली के 68 रनों की शानदार पारी से पाकिस्तान ने यहां खेले गये पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज टीम को जीत के लिए 201 रनों का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए मेहमान वेस्टइंडीज टीम 137 रनों पर ही सिमट गयी। पाक की ओर से मोहम्मद वसीम ने चार जबकि शादाब खान ने तीन विकेट लिए। इस जीत के साथ ही 2021 में पाकिस्तान की 18 वीं टी20 जीत ने साल 2018 में उनके ही 17 जीत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। रिजवान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले ही मैच में 78 रनों की आक्रामक पारी खेली। रिजवान ने 52 गेंदों में 10 चौकों के साथ यह रन बनाये। इसके साथ उनके इस साल टी20 में 1200 रन हो गए हैं। इस प्रकार वह बाबर आजम और विराट कोहली से भी आगे हो गये हैं।

विराट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज से हट गये हैं। इससे पहले विराट को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एकदिवसीय मैचों की कप्तानी से हटा दिया था। विराट दक्षिण अफ्रीका दौरे पर होने वाले तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में कप्तानी के बाद स्वदेश लौट जाएंगे।

अभी यह पता नहीं चला है कि विराट किस कारण से एकदिवसीय सीरीज से हटे हैं। यह भी सामने आया है कि उनका दौरे से हटने का कारण कप्तानी से हटाया जाना नहीं है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार विराट अपनी बेटी वामिका का पहला जन्मदिन मनाने के लिए परिवार के साथ रहना चाहते हैं। इसी लिए विराट टेस्ट सीरीज के समाप्त होने के बाद अपने परिवार के साथ छुट्टी की योजना बना रहे हैं। दौरे का अंतिम टेस्ट 11 से 15 जनवरी तक खेला जाएगा। वहीं एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 19 जनवरी से होगी।

वहीं इससे पहले अभ्यास के दौरान चोटिल होने के कारण सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये हैं। ऐसे में यह अजीब संयोग है कि विराट और रोहित दोनों ही दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर तो जाएंगे पर एक साथ खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में खिलाड़ियों के लिए तीन दिवसीय शिविर का भी आयोजन किया गया था। इसमें रोहित , शार्दुल ठाकुर, ऋषभ पंत और कुछ अन्य खिलाड़ी शामिल हुए थे पर विराट नहीं थे। वहीं अधिकारियों ने कहा कि विराट को बुलाया गया था पर वर इसमें शामिल नहीं हुए।

पिछले कुछ दिनों में भारतीय टीम कई बदलावों से गुजरी है जिसके तहत रोहित शर्मा को सीमित ओवरों का कप्तान बनाया गया है जबकि विराट के पास केवल टेस्ट कप्तानी ही रह गयी है। इस बारे में बीसीसीआई आध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा था कि विराट को कप्तानी से हटाने का फैसला बीसीसीआई और चयनकर्ताओं की सहमति से हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र संघ में साथ आए भारत, रुस और चीन, अमेरिका अलग-थलग पड़ा

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र संघ में जलवायु परिवर्तन को लेकर एक प्रस्ताव को लेकर भारत-रूस और चीन एक साथ अमेरिका के खिलाफ हो गए हैं।जिसके बाद अमेरिका अलग-थलग पड़ गया।रूस ने जलवायु परिवर्तन को अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा के लिए खतरा बताने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अपनी तरह के पहले प्रस्ताव के खिलाफ सोमवार को वीटो का इस्तेमाल किया।आयरलैंड और नाइजर के नेतृत्व में पेश प्रस्ताव ने 'जलवायु परिवर्तन के सुरक्षा प्रभावों संबंधी जानकारी शामिल करने' का आह्वान किया था, ताकि परिषद 'संघर्ष या जोखिम बढ़ाने वाले कारकों के मूल कारणों पर पर्याप्त ध्यान दे सके।वहीं, भारत-चीन भी इसके विरोध में खड़ा हुआ।

इस प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र महासचिव से जलवायु संबंधी सुरक्षा जोखिमों को संघर्ष निवारण रणनीतियों का 'एक केंद्रीय घटक' बनाने के लिए भी कहा गया है।परिषद के पूर्व प्रस्तावों में विभिन्न अफ्रीकी देशों और इराक जैसे विशिष्ट स्थानों में जलवायु परिवर्तन के अस्थिर करने वाले प्रभावों का उल्लेख किया गया है, लेकिन सोमवार का प्रस्ताव पहला ऐसा प्रस्ताव है, जिसमें जलवायु संबंधी सुरक्षा खतरों को स्वयं एक मुद्दा बनाया गया है।भारत ने यूएनएससी के एक मसौदा प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया है।प्रस्ताव के जरिए जलवायु परिवर्तन से निपटने संबंधी कदमों को 'सुरक्षित' करने और ग्लासगो में कड़ी मेहनत से किए गए सहमति समझौतों को कमजोर करने की कोशिश की गई है।इसके बाद भारत ने इसके खिलाफ वोट दिया। इसकी जानकारी संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस त्रिमूर्ति ने दी है। इस दौरान उन्होंने बताया कि भारत जलवायु परिवर्तन को लेकर कितना सजग है और विकासशील देशों के लिए इस पूरी तरह खत्म करना कितना मुश्किल है।

त्रिमूर्ति ने कहा कि, हम अफ्रीका और साहेल क्षेत्र सहित विकासशील देशों के हितों के लिए हमेशा आवाज उठाएंगे। और हम इस सही जगह पर यूएनएफसीसीसी में करने वाले है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों को जल्द से जल्द 1 ट्रिलियन अमेरीकी डॉलर का जलवायु वित्त प्रदान करना चाहिए। यह आवश्यक है कि जलवायु वित्त को उसी तरह ट्रैक किया जाए, जिस तरह ग्रीनहाउस के उत्सर्जन को किया जाता है।संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से करीब 113 देशों ने इसका समर्थन किया, जिनमें से सुरक्षा परिषद के 15 में से 12 देश शामिल थे।भारत ने इसके खिलाफ मतदान किया और वीटो अधिकार प्राप्त रूस ने इस वीटो किया और चीन ने मतदान में भाग नहीं लिया। रूस और भारत के दूतों ने कहा कि यह मुद्दा जलवायु परिवर्तन पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन जैसे संयुक्त राष्ट्र समूहों के साथ रहना चाहिए।

टयूनीशिया में जनमत संग्रह कराएंगे राष्ट्रपति सईद

टयूनिश (ईएमएस)। टयूनीशिया के राष्ट्रपति कैस सईद ने अपनी सरकार को बर्खास्त करने और सभी शक्तियों को स्वयं में केंद्रित करने के करीब पांच महीने बाद संसद की निलंबन अवधि बढ़ाने और राष्ट्रीय स्तर पर जनतम संग्रह कराने की घोषणा की है। उन्होंने कहा यह कई टयूनीशियाई लोगों की राजनीतिक बदलाव की मांग का जवाब है। सईद ने कहा जो पुरानी व्यवस्था की वापसी की मांग कर रहे हैं, वे कभी पहले की स्थिति में नहीं जाएंगे। उन्होंने टेलीविजन पर प्रसारित संबोधन में जनता से राष्ट्रव्यापी परामर्श की अपनी योजना का खुलासा किया जो ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से मार्च 2022 में होगा। उन्होंने बताया इस परामर्श की समीक्षा एक समिति करेगी जिसका गठन राजनीति सुधार को लेकर होने वाले राष्ट्रव्यापी जनमत संग्रह के आधार पर होगा जो 25 जुलाई 2022 को प्रस्तावित है। यह जनमत संग्रह पूरे टयूनीशिया में होगा और जनता की इच्छा को प्रतिबिंबित करेगा। 25 जुलाई को टयूनीशिया का गणतंत्र दिवस है और इसी दिन सईद ने संसद को निलंबित कर अपनी सरकार बर्खास्त की थी।

आतंक को लेकर पाक की बुराई करते हैं पश्चिमी देश, पर भारत की फासीवादी नीतियों पर कुछ नहीं बोलते

-मारगल्ला डायलॉग-21 में इमरान ने कहा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस्लामाबाद में आयोजित मारगल्ला डायलॉग-21 को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भारत सरकार बेहद नस्लवादी है। इमरान ने कहा पश्चिमी देश आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान की तो बुराई करते हैं, लेकिन कोई भारत की फासीवादी नीतियों पर कुछ नहीं बोलता। इस्लामोफोबिया पर बोलते हुए इमरान ने कहा कोई भी धर्म आतंकवाद की इजाजत नहीं देता। इसके बावजूद कई देश धर्म को आतंकवाद के साथ जोड़ते हैं। उन्होंने कहा 9/11 हमले के बाद इस्लाम को आतंकवाद से सीधा जोड़ा गया, जो आज भी जारी है।

इमरान खान ने कहा हिंदुस्तान जम्मू-कश्मीर में जो कर रहा है उसे डेमोक्रेसी कहा जाता है। कोई भी पश्चिमी देश इसकी आलोचना नहीं करता। उन्होंने आरोप लगाया हिंदुस्तान में जिस तरह की नस्लवादी सरकार आई है, उसकी नीतियां फासीवादी हैं। उन्होंने हिंदुस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव करने का झूठा आरोप तक लगा दिया। इमरान खान ने खेद जताया कि पश्चिमी देश पश्चिमी देश आतंकवाद के खिलाफ जंग में पाकिस्तान को उसके बलिदान का श्रेय नहीं देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस लड़ाई में अमेरिका और बाकी पश्चिमी देशों का साथ देने को लेकर पाकिस्तान की बदनामी ही हुई। पाकिस्तान पर आरोप लगा कि वह डबल गेम खेल रहा है।

उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान अपना पक्ष प्रभावशाली तरीके से दुनिया के सामने रखने में नाकाम रहा है। इमरान खान आतंक के खिलाफ युद्ध में अपने देश के बलिदान वाले रटे रटाए डॉयलाग को बोलने से भी नहीं चूके। उन्होंने हर बार की तरह यहां भी दुखड़ा रोते हुए कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में सबसे ज्यादा नुकसान झेला है। अफगानिस्तान में भी युद्ध से पाकिस्तान को ही घाटा हुआ है। इमरान ने दावा किया कि इस युद्ध में पाकिस्तान के 80 हजार से अधिक लोग मारे गए, जबकि 100 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

कार कंपनियों के बाद मोटरसाइकिल बनने वाली दुकाती ने भी दाम बढ़ने की घोषणा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगर आप साल 2022 में कार खरीदने की योजना बना रहे हैं,तब आपको ज्यादा कीमत देनी होगी। दरअसल, देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतों में अगले महीने से बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है।कंपनी ने कहा कि वह कच्चे माल की बढ़ती लागत के असर को दूर करने के लिए जनवरी से अपने सभी पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतें बढ़ाएगी।टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल्स बिजनेस यूनिट के प्रेसिडेंट ने कहा,कच्चा माल, सामान सहित अन्य वस्तुओं की लागत लगातार बढ़ रही है।कंपनी को बढ़ती लागत के असर को कम करने के लिए जनवरी 2022 से पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतें बढ़ानी पड़ रही है।

वहीं महंगी मोटरसाइकिल बनाने वाली दुकाती ने कहा कि वह अगले महीने से वाहनों के दाम बढ़ाएगी।कंपनी ने कहा कि मोटरसाइकिल के सभी प्रकार के मॉडल की कीमतें एक जनवरी 2022 से बढ़ाएगी।दुकाती ने कहा कि संशोधित कीमतें सभी मॉडल पर लागू होंगी।

नेटफ्लिक्स ने भारत में दरें घटाई, 199 का प्लान अब 149 रुपए में मिलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। । नेटफ्लिक्स पहली बार भारत में अपने प्लान्स की दरें घटा रहा है। । नेटफ्लिक्स यहां साल-2016 में सेवा देना शुरू करने के बाद पहली बार अपने प्लान्स की कीमत कम कर रहा है। दरअसल, । नेटफ्लिक्स अपने यूजर बेस को बढ़ाने और बढ़ती प्रतियोगिता के बीच ऐसा कर रहा है। कंपनी ने अपने सबसे फेमस बेसिक 199 रुपए मासिक प्लान को घटाकर 149 रुपए कर दिया है। इसके अलावा एक और एंट्री-लेवल बेसिक प्लान जो ग्राहकों को एक समय में एक ही मोबाइल, टैबलेट, कंप्यूटर या टेलीविजन स्क्रीन पर एसडी में अपने शो और फिल्में देखने की इजाजत देता है, इस प्लान को 499 रुपए प्रति माह से घटाकर 199 रुपए कर दिया गया है। इसके बाद दो स्क्रीन पर एक साथ एचडी कंटेट देने वाला प्लान 649 रुपए की जगह अब 499 रुपए में मिलेगा।

नेटफ्लिक्स का सबसे महंगा महीने का 799 रुपए का प्लान 649 रुपए मिलेगा। इस प्लान में एक साथ 4 डिवाइस पर अल्ट्रा हाई-डेफिनिशन क्वालिटी मिलती है। नेटफ्लिक्स का मोबाइल-ओनली प्लान जो भारत में जुलाई 2019 में 199 रुपए प्रति माह पर पेश किया गया था, अब 149 रुपए प्रति मिलेगा। ये महीने वाला नए रेट के प्लान नए बिलिंग साइकिल से शुरू होंगे। नेटफ्लिक्स इंडिया की वीपी-कंटेंट मोनिका शेरगिल ने मनीकंट्रोल को बताया कि वे 14 दिसंबर से मौजूदा सदस्यों के लिए एक नया ऑटो-अपग्रेड फीचर भी शुरू किया जा रहा है जिसमें एक पॉपअप दिखाई देगा और वह ग्राहकों को ऑटो-अपग्रेड की इजाजत देगा।

सोना 68 रुपये गिरा, चांदी 114 रुपये उछली

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बार में मंगलवार को सोने की कीमतें गिरी हैं जबकि चांदी में तेजी आई है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 68 रुपये के नुकसान के साथ ही 47,280 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 47,348 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था दूसरी ओर चांदी 114 रुपये की तेजी के साथ ही 60,221 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में यह 60,107 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,784 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी 22.23 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलांयस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और कोटक बैंक के शेयरों के नीचे आने से आई है। आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई और दिनभर वह इससे उबर नहीं पाया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 166.33 अंक करीब 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ ही 58,117.09 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का पचास शेयरों वाला निफ्टी 43.35 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी नीचे आकर 17,324.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे अधिक करीब तीन फीसदी की गिरावट आईटीसी के शेयरों में रही, इसके साथ ही बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी नीचे आये जबकि पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया और डॉ. रेड्डीज के शेयर ऊपर आये। बाजार जानकारों के अनुसार कोविड- के नये संस्करण ओमीक्रोम की दहशत से बाजार पर दबाव आया और यह टूट गया। इस बारे में विश्व स्वास्थ संगठन के बयान के बाद निवेशक आशंकित हैं।

इससे पहले सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 356.6 अंक करीब 0.61 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,926.82 पर पहुंच गया। वहीं इसी प्रकार पचास निफ्टी भी 98.35 अंक तकरीबन 0.57 फीसदी की गिरावट के साथ ही 17,269.90 पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे ज्यादा करीब एक फीसदी नीचे आया है। इसके बाद एचडीएफसी, कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक, एम ऐंड एम, बजाज ऑटो और बजाज फिनसर्व के शेयर नीचे आये हैं। वहीं दूसरी ओर, पॉवर ग्रिड, डॉ. रेड्डीज, एनटीपीसी और आईटीसी के शेयर उछले हैं। वहीं गत सत्र में सेंसेक्स 503.25 अंक जबकि निफ्टी 143.05 अंक नीचे आया था। इस दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली जारी रही और उन्होंने 2,743.44 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इससे भी भारतीय बाजार पर दबाव आया है जिसका परिणाम शेयर बाजार में देखा जा रहा है।

भाजपा शासित 11 राज्यों के मुख्यमंत्री आज अयोध्या में करेंगे श्रीराम लला का दर्शन-पूजन

अयोध्या (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी शासित 11 राज्यों के मुख्यमंत्री बुधवार को अयोध्या का दौरा करेंगे। इस दौरान उनके साथ उप मुख्यमंत्री भी रामलला तथा हनुमानगढ़ी का दर्शन व पूजन करेंगे। काशी विश्वनाथ कारिडोर के लोकार्पण समारोह में शामिल होने के बाद भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री बुधवार को रामनगरी पहुंचेंगे। भाजपा शासित राज्यों या गठबंधन वाले राज्यों के मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री अयोध्या जाएंगे और भगवान श्रीरामलला का दर्शन करेंगे। इनमें हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, हरियाणा, गोवा, बिहार, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के सीएम शामिल हैं। सभी मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री अयोध्या में रात भर रुकेंगे और विभिन्न मंदिरों के दर्शन करेंगे। फिलहाल गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह पटेल, असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा शर्मा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लव कुमार देव तथा अरुणांचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू सहित बिहार की उप मुख्यमंत्री रेणुदेवी एवं तारकिशोर प्रसाद के आने का कार्यक्रम तय हो गया है।

पेगासस स्पाइवेयर को बंद होने और बेचाने की खबरें जोरों पर

वाशिंगटन (ईएमएस)एक रिपोर्ट में पेगासस स्पाइवेयर के बंद होने और बेचने की खबरें कही गई है। संभावित नए मालिकों में दो अमेरिकी फंड शामिल हैं, जिन्होंने पेगासस को नियंत्रित करने और बंद करने पर चर्चा की है। देश-विदेश के बड़े नेताओं, सिलेब्रेटी से लेकर बड़ी-बड़ी हस्तियों की जासूसी के आरोपों को लेकर सुर्खियों में रहने वाली इजरायली कंपनी पेगासस स्पाइवेयर फिर से चर्चा में है।लेकिन इस बार चर्चा की वजह कोई जासूसी से जुड़ा मामला नहीं बल्कि इसके बंद होने और बेचने की खबरों की वजह है। रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है।रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने इन कदमों के बारे में कई निवेश फंडों के साथ बातचीत की है।जिसमें रिफाइनेंस करने या एकमुश्त बिक्री जैसी चर्चा शामिल है।अधिकारी ने कहा कि संभावित नए मालिकों में दो अमेरिकी फंड शामिल हैं जिन्होंने पेगासस को नियंत्रित करने और बंद करने पर चर्चा की है।

मामले के जानकार लोगों ने बताया कि पेगासस के पीछे की जानकारी को सख्ती से रक्षात्मक साइबर सुरक्षा सेवाओं में बदलने और इजराइली कंपनी की ड्रोन तकनीक विकसित करने के लिए 200 मिलियन निवेश पर भी चर्चा हुई है।मामले में एनएसओ के प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पेगासस इजरायली कंपनी एनएसओ ग्रुप द्वारा विकसित एक स्पाइवेयर है।इस बनाने वाली कंपनी एनएसओ का गठन 2009 में हुआ था और ये अति उन्नत निगरानी टूल बनाती है। इस स्पाइवेयर से फोन हैक होने के बाद यूजर को पता ही नहीं चलता। ये डिवाइस को हैक कर व्हाट्सएप समेत तमाम जानकारियां हासिल करता है। इजरायल की एक फॉर्म द्वारा बनाया गया स्पाइवेयर अनेक देशों में महत्वपूर्ण व्यक्तियों के नाम की जासूसी से जुड़े पाए जाने के बाद सुर्खियों में रहा था। सोशल मीडिया से लेकर संसद तक इस मुद्दे की गूंज सुनाई दी थी।

अफगानिस्तान में गुपचुप शिक्षा ग्रहण कर रही लड़कियां, घरों के अंदर लगाई जा रही कक्षाएं

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के बाद से ही लड़कियों के लिए स्कूल बंद कर दिए गए हैं। हालांकि, कई जिलों में कई स्कूल फिर से खोले गए हैं, लेकिन पूरी तरह से अफगान में लड़कियों को तालीम नहीं मिल पा रही है। ऐसे में राजधानी काबुल में कुछ महिला अध्यापक अज्ञात स्थानों पर मिल कर लड़कियों को तालीम दे रही हैं। अफगानिस्तान में कक्षा 7 और 12 के बीच कई लड़कियों के लिए स्कूल बंद हैं। अब महिला शिक्षक राजधानी काबुल में अज्ञात स्थानों पर मिल रही हैं और लड़कियों को घरों के अंदर पढ़ा रही हैं। एक छात्र अतेफा ने कहा तालिबान ने सिर्फ लड़कों को स्कूल जाने की इजाजत दी है, लेकिन लड़कियों को स्कूल जाने की इजाजत नहीं दी।

एक शिक्षक जकिया ने कहा क्योंकि लड़कियों को पढ़ना चाहिए। इसलिए हमने घर पर ही लड़कियों को पढ़ा रहे हैं। यहां पर लड़कियां छिपकर पढ़ने के लिए आती हैं। उल्लेखनीय है कि इस साल 15 अगस्त को तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था, जिसके बाद से यहां कई तरह की पाबंदी लगी हुई है। तालिबान शासन आने से प्रत्येक दिन नए-नए फरमान सुनाए गए हैं। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित लड़कियां हुई हैं।

अमेजन का वेयरहाउस तबाह, छह वर्कर्स की मौत से आलोचकों के निशाने पर आए जेफ बेजोस

वाशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया के दूसरे बड़े रईस जेफ बेजोस की कंपनी अमेजन फिर आचोलकों के निशाने पर है। अमेरिका में आए बवंडर में अमेजन का एक वेयरहाउस तबाह हो गया। इसमें छह वर्कर्स की मौत हो गई। इससे कंपनी की हेल्थ और सेफ्टी पॉलिसी पर सवाल उठ रहे हैं।मारे गए वर्कर्स के परिजनों का कहना है कि कंपनी को स्टाफ की सुरक्षा से ज्यादा अपने मुनाफे की चिंता है।हादसे में मारे गए वर्कर की बहन ने सोशल मीडिया पर कमेंट किया कि अगर कंपनी ने अपने मुनाफे से ज्यादा वर्कर्स की सुरक्षा को तरजीह दी होती,तब यह हादसा कभी नहीं होता। उन्होंने कहा कि वर्कर्स की समय रहते शेल्टर की सुविधा नहीं दी गई। हालांकि कंपनी का कहना है कि उसकी टीम ने बवंडर से निपटने के लिए तेजी से काम किया था।

ऐमजॉन का यह वेयरहाउस इलिनॉय प्रांत में था और शुक्रवार को आए बवंडर में इसकी छत तबाह हो गई। बवंडर 150 मील प्रति घंटे की रफ्तार से अमेजान के वेयरहाउस से टकराया था। इससे फुटबॉल के मैदान के आकार के बराबर इस वेयरहाउस की छत ढह गई। इसके साथ ही 11 इंच मोटी कंक्रीट की दीवारें भरभराकर कर्मचारियों पर गिर गई। कंपनी की प्रवक्ता केली नैनटेल ने कहा कि कंपनी इस हादसे में जानमाल के नुकसान से दुखी है। कंपनी पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या उनसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त उपाय किए थे या नहीं। मारे गए कर्मचारियों के परिजनों का आरोप है कि कंपनी ने शेल्टर की व्यवस्था नहीं की थी।

एक अधिकारी ने अमेरिका के विभिन्ने हिस्सों में काम कर रहे ऐमजॉन के कर्मचारियों की यूनियन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि बवंडर की चेतावनी के बावजूद कंपनी ने कर्मचारियों को काम पर लगाए रखा। यह माफी लायक नहीं है।अमेरिका के लेबर विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एसोसिएट प्रोफेसर रेबेका गिवन ने कहा कि कानून के मुताबिक कार्यस्थल पर सेफ्टी के लिए कंपनियों को सुरक्षा उपाय करने की जरूरत है लेकिन इसके लिए जुर्माने की व्यवस्था कमजोर है। उन्होंने कहा कि कंपनियों को कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। अगर कस्टमर्स को सामान की डिलिवरी में थोड़ी देर हो जाए,तब कंपनियों को इस बारे में ग्राहकों को बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेजन अधिकांश कर्मचारियों को अपने पेरोल पर नहीं रखती है। वह सबकॉन्ट्रक्टर्स का इस्तेमाल करती है।

कंपनी के फाउंडर और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रईस जेफ बेजोस भी मामले में आलोचकों के निशाने पर हैं। उन्होंने हादसे पर दुख जताने के बजाय ब्लू ऑरिजिन रॉकेट से लौटे यात्रियों की तस्वीरें पोस्ट की। बाद में उन्होंने इलिनॉय के हादसे के बारे में ट्वीट किया और घटना पर दुख जताया। कंपनी ने साथ ही 10 लाख डॉलर डोनेट करने की भी घोषणा की। ऐमजॉन की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। हाल में इटली की एंटीट्रस्ट अथॉरिटी ने कंपनी पर 1.28 अरब डॉलर (1.13 अरब यूरो) का जुर्माना लगाया था। अमेरिका में भी कंपनी पर ग्राहकों को गुमराह करने के आरोप लगे हैं। भारत में भी कंपनी पर कई तरह के आरोप लगे हैं। हाल में आरोप लगाया गया था कि कंपनी के ई-कॉमर्स पोर्टल के जरिए 1 करोड़ रुपये से अधिक का गांजा बेचा गया। इसके बदले में कंपनी को 66 प्रतिशत कमीशन मिला था। मध्य प्रदेश पुलिस ने यह खुलासा किया था।

तालिबान सरकार ने बदले सुर, कहा- अमेरिका 75 हजार करोड़ रुपए वापस करे, हम मित्रता को तैयार

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में बंदूक के दम पर तालिबान ने सत्ता हासिल ली, पर अब सरकार चलाने में उसको परेशानियों से जूझना पड़ा रहा हैं। तालिबान इन दिनों देश की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था से जूझ रहा है। अमेरिका ने अफगानिस्तान के फंड फ्रीज कर लिए हैं, जिसके चलते सरकार चलाने तक में परेशानी आ रही है। ऐसे में तालिबान सरकार के सुर बदलने लगे हैं। तालिबान ने अमेरिका की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें पुराने दुश्मन अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के साथ दोस्ताना रिश्तों से कोई परहेज नहीं है। बशर्ते अमेरिका अफगानिस्तान के लिए 75 हजार करोड़ रुपए के फंड को जल्द से जल्द जारी करे। ये फंड अमेरिका ने अगस्त में अफगानिस्तान में तालिबान राज के काबिज होने के बाद फ्रीज कर दिए थे। मुत्ताकी ने कहा कि अफगान लोग मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। वैश्विक बिरादरी को मदद के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई सरकार अफगानिस्तान में महिला शिक्षा के प्रति संकल्पित है।

मुत्ताकी ने कहा कि इस बार तालिबान राज पहले जैसा नहीं है। हमने अपने में काफी बदलाव किया है। आज 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़कियां देश के 10 प्रांतों के स्कूल में जा रही हैं। उन्होंने कहा कि तालिबान सरकार ने सत्ता में काबिज होने के बाद बदले की भावना से कोई कार्रवाई नहीं की है।

'अफगानिस्तान के खिलाफ प्रतिबंध लगाने से कुछ नहीं मिलेगा। सत्ता हासिल करने के बाद पहले महीने में सरकार से कुछ गलतियां हुई हैं। सरकार अब अपनी गलतियों से सीखते हुए आगे बढ़ रही है। हम अफगानिस्तान को आगे ले जाने के लिए काम कर रहे हैं।'

महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव में उद्धव सरकार गठबंधन एमवीए को भाजपा ने दिया तगड़ा झटका

-6 में 4 सीटों पर भाजपा ने किया कब्जा

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में काबिज शिवसेना की सरकार को विधान परिषद की छह सीटों पर हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने महा विकास आघाड़ी (एमवीए) को बड़ा झटका देते हुए नागपुर सहित चार सीटों पर जीत हासिल कर ली है। भाजपा ने अकोला-बुलढाणा-वाशिम सीट शिवसेना से छीन ली। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फड़णवीस ने पार्टी की इस जीत पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि भाजपा ने एमवीए के इस मिथक को तोड़ दिया है कि तीनों दल (शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस) मिलकर प्रदेश में सभी चुनाव जीत सकते हैं।

आपको बता दें कि चुनाव आयोग ने 10 दिसंबर को महाराष्ट्र विधान परिषद की छह सीटों पर वोटिंग की घोषणा की थी। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की दो सीटों पर हुए चुनाव में एक सीट पर शिवसेना से सुनील शिंदे और दूसरी सीट पर भाजपा के राजहंस सिंह ने निर्विरोध जीत दर्ज की। कोल्हापुर और नंदुरबार-धुले विधान परिषद चुनावों में भी कांग्रेस और भाजपा ने एक-एक सीट पर निर्विरोध जीत हासिल की। नागपुर तथा अकोला-बुलढाणा-वाशिम सीटों पर 10 दिसंबर को मतदान हुआ था। जिला सूचना कार्यालय के अनुसार, नागपुर में पड़े 554 वोटों में से भाजपा उम्मीदवार और सूबे के पूर्व ऊर्जा मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को 362 वोट मिले, जबकि एमवीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार मंगेश देशमुख को 186 वोट से संतोष करना पड़ा। अकोला-वाशिम-बुलढाणा में शिवसेना के तीन बार के विधान पार्षद गोपीकिशन बाजोरिया को भाजपा के वसंत खंडेलवाल ने मात दी। कुल 808 वोटों में से खंडेलवाल को 443 जबकि बजोरिया को 334 वोट मिले।

भाजपा की इस जीत पर फड़णवीस ने कहा, 'एमवीए में शामिल पार्टियां दावा कर रही थीं कि तीनों दल मिलकर सभी चुनाव जीतेंगे। हमने इस मिथक को चकनाचूर कर दिया है और मुझे लगता है कि इस जीत ने हमारी भविष्य की जीत की नींव रखी है।' खंडेलवाल ने अपनी जीत का श्रेय अपनी पार्टी की सफल रणनीति को दिया। दूसरी ओर बावनकुले ने कहा कि एमवीए के पास 240 वोट थे। हालांकि, एमवीए समर्थित उम्मीदवार को केवल 186 वोट मिले। बावनकुले ने महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले पर निशाना साधते हुए उन पर निरंकुश तरीके से व्यवहार करने का आरोप लगाया और उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए कि उनके वोट क्यों बंटे। उन्होंने कहा, 'दो दिन तक वे खरीद-फरोख्त में लिप्त रहे, फिर भी वे अपनी पार्टी को साथ नहीं रख सके। यह सही मायने में कांग्रेस नेताओं की हार है। कांग्रेस नेता निरंकुश तरीके से व्यवहार कर रहे हैं। नाना पटोले पार्टी की प्रदेश यूनिट के काम के लिए उपयुक्त नहीं हैं और उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।'

गोवा पहुंचीं ममता बनर्जी बोली- हम लड़ेंगे और मरेंगे, लेकिन पीछे नहीं हटेंगे

-कांग्रेस को दिया प्रस्ताव, क्या स्वीकार कर पाएंगे राहुल गांधी

गोवा (ईएमएस)। गोवा विधानसभा चुनाव-2022 से पहले कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच खींचतान बढ़ती जा रही हैं। दोनों पार्टियों के बीच तल्खियां उस समय और बढ़ती दिखीं जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि टीएमसी ने भाजपा से लड़ने के लिए गोवा में कई पार्टियों के साथ गठबंधन किया है अगर कांग्रेस चाहे तो वह उनके साथ शामिल हो सकती है। हालांकि बनर्जी ने ये भी कहा है कि कांग्रेस के लिए यह एक विकल्प है। उन्होंने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल में सड़क पर पानी भर जाता है, तो भाजपा केंद्रीय जांच एजेंसियों को उनके गृह राज्य भेजती है, लेकिन जब गोवा के नेता भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घिरते हैं तो कोई एजेंसी नजर नहीं आती। वे क्यों आएंगे, वे सभी भाजपा के लोग हैं। ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं कांग्रेस के खिलाफ नहीं बोलना चाहती। अगर कांग्रेस को लगता है कि वह बीजेपी को हराने के लिए काम करना चाहती है, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है।'

हमने गोवा में एमजीपी (महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी) के साथ गठबंधन किया है और आज हमने एनसीपी (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) और चार-पांच दलों को एक साथ मिलकर एक गठबंधन बनाया है। उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन ही बीजेपी को हराने के लिए काफी है लेकिन अगर आप जुड़ना चाहते हैं तो हमसे जुड़ें। हमें कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि गोवा में भले ही आप मिलकर नहीं लड़ते इसका मतलब यह नहीं है कि कोई और पहल नहीं करेगा।

अमेरिका काबुल एयरस्ट्राइक के लिए किस सैनिक और अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने कहा है कि काबुल एयरस्ट्राइक के लिए किसी भी अमेरिकी सैनिक और अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी।बता दें कि ड्रोन एयरस्ट्राइक में 10 अफगान आम नागरिक मारे गए थे। यह स्ट्राइक काबुल पर तालिबान के कब्जे के कुछ दिनों के बाद 29 अगस्त 2021 को किया गया था। पेंटागन प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा है कि रक्षासचिव लॉयड ऑस्टिन को एयरस्ट्राइक की हाई लेवल रिव्यू रिपोर्ट मिली थी जिसमें जवाबदेही की कोई सिफारिश नहीं की गई थी।अमेरिका ने सितंबर महीने में माना था कि ड्रोन स्ट्राइक में सात बच्चों सहित 10 नागरिकों की मौत हो गई थी।किर्बी ने बताया है कि जो देखा उसके मुताबिक निष्पादन और प्रक्रियात्मक घटनाओं में लापरवाही, कदाचार और खराब नेतृत्व का नतीजा नहीं था।

एयर स्ट्राइक को लेकर उच्च-स्तरीय जांच में कानून का कोई उल्लंघन नहीं पाया गया। लेकिन इसमें शामिल लोगों को पूरी तरह से दोषमुक्त बताने से रोक दिया गया। बताया गया कि इस तरह के निर्णय कमांडरों पर छोड़ दिए जाने चाहिए। इसके बाद दो सीनियर कमांडरों ने किसी को दंडित न करने की सिफारिश की। अब जांच कमिटी ने हमले के लिए जिम्मेदार सभी अमेरिकी सैनिकों और अधिकारियों को दोषमुक्त कर दिया है।

अमेरिका ने एयरस्ट्राइक में इस्लामिक स्टेट ऑफ खोरासन के आतंकियों को मारने का दावा किया था लेकिन बाद में मीडिया रिपोर्ट्स में पता चला कि स्ट्राइक में आम लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी वायुसेना के महानिरीक्षक लेफ्टिनेंट जनरल सामी सैद ने शुरुआती रिपोर्ट ने एयरस्ट्राइक को दुखद लेकिन एक ईमानदार गलती बताया था।

7.5 तीव्रता के भूकंप से कांपा इंडोनेशिया, सुनामी का अलर्ट

जकार्ता (ईएमएस)। इंडोनेशिया में 7.5 तीव्रता के भूकंप से मची हलचल के बाद सुनामी अलर्ट जारी किया गया है। यह चेतावनी यहां के पूर्वी नूसा तेनगारा क्षेत्र में 7.5 तीव्रता के भूकंप के आने के बाद जारी की गई है। इसे लेकर मौसम विभाग ने जानकारी देते हुए सुनामी की आशंका जताई है। वहीं यूरोपियन मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजी सेंटर ने इस आकलन किया है कि यह भूंकप 7.7 तीव्रता का था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अब तक इस भूकंप में किसी भी जानमाल की हानि की कोई सूचना नहीं है। वहीं अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे ने बाद में जानकारी दी है कि रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 7.3 है। फ्लोरेस आइलैंड के मौमेरे टाउन के एक व्यक्ति ने बताया है कि भूकंप के आने के बाद लोग डर की वजह से घरों से बाहर निकल आए।

जानकारी के अनुसार इस भूकंप का केंद्र फ्लोरेस आइलैंड के पूर्वी हिस्से लारानतुका के उत्तर पश्चिम में 112 किमी दूर 12 किमी की गहराई में था। इसके आने के बाद से मालुका, पूर्वी नूसा तेनगारा, पश्चिमी नूसा तेनगारा, दक्षिणपूर्वी और दखिण सुलावेसी के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। जानकारी के अनुसार लारानतुका में पहले भूकंप के झटके के बाद ऑफ्टर शॉक भी महसूस किए गए। यह आफ्टरशॉक 5.6 तीव्रता के थे। इस भूकंप के बाद किसी भी रूप की क्षति होने की कोई सूचना नहीं है।

महामारी कोरोना का वायरस दुनिया में कैसे फैला, लंबी खोज-बीन के बाद भी वैज्ञानिकों के हाथ खाली

-महामारी की शुरुआत कहां से हुई इसकी जांच को लेकर दुनिया के कई देश एकमत नहीं

वॉशिंगटन (ईएमएस)। महामारी कोरोना के घातक वायरस के आगमन को करीब दो साल हो चुके हैं, लेकिन यह वायरस कहां से दुनिया में फैला यह अब भी रहस्य बना हुआ है। ज्यादातर वैज्ञानिकों का मानना है कि यह वायरस जंगल में उभरा और चमगादड़ से इंसानों में सीधे या किसी अन्य जानवर के माध्यम से पहुंचा। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि चीन के वुहान की प्रयोगशाला से इस वायरस की शुरुआत हुई। संक्रमण से अब तक 52 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वैज्ञानिक इस संभावना पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं कि 'जूनोटिक' यानी जानवर-से-इंसान में वायरस के पहुंचने के सिद्धांत से अगर सीख लें तो मानव जाति को नए वायरस और स्वरूप से बचाने में मदद मिलेगी।

यूटा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टीफन गोल्डस्टीन ने कहा, 'प्रयोगशाला से वायरस की शुरुआत होने की थ्योरी पर बहुत ध्यान दिया गया है। हालांकि, इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह वायरस एक प्रयोगशाला में बना।' अगस्त में एक शोध पत्रिका में जानवरों से वायरस की उत्पत्ति के सबूत पेश किए गए। अध्ययन में सहयोग करने वाले एरिजोना विश्वविद्यालय में जीवविज्ञानी माइकल वोरोबे ने पिछली गर्मियों में अन्य वैज्ञानिकों के साथ एक पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें कहा गया था कि दोनों सिद्धांत की संभावना है। उन्होंने कहा कि उनके अपने और दूसरों वैज्ञानिकों के अध्ययन ने उन्हें जानवरों की परिकल्पना के बारे में और भी अधिक आश्वस्त किया है, जो कि 'डेटा द्वारा अधिक समर्थित है।'

वोरोबे ने चीन के वुहान में समुद्री जीव-जंतुओं की बिक्री वाली जगह से इंसानों में वायरस के पहुंचने का घटनाक्रम प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला से वायरस के लीक होने का विचार निश्चित रूप से उन सिद्धांतों से ध्यान बंटाने वाला है कि आखिर में क्या हुआ था। वैज्ञानिकों ने प्रकाशित अध्ययन में कहा है कि इंसानों को संक्रमित करने वाला सार्स कोव-2 का यह नौवां कोरोना वायरस है जिसके दस्तावेज तैयार किए गए हैं। सभी तरह के कोरोना वायरस की शुरुआत पूर्व में जानवरों से ही हुई थी। कई वैज्ञानिकों का मानना है कि जंगली जानवरों ने वायरस का प्रसार किया। इसके मायने ये हैं कि जानवर चमगादड़ से संक्रमित हुए और फिर यह वायरस इंसानों तक पहुंचा। वैज्ञानिक चमगादड़ की उस प्रजाति का भी पता लगा रहे हैं जिससे यह वायरस आगे बढ़ा। इस साल की शुरुआत में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और चीन की एक संयुक्त रिपोर्ट ने चमगादड़ से इंसानों में किसी अन्य जानवर के माध्यम से वायरस के संचरण को सबसे संभावित परिदृश्य बताया और प्रयोगशाला से वायरस की शुरुआत की थ्योरी को 'बेहद असंभव' बताया। डब्ल्यूएचओ ने महामारी की शुरुआत कहां से हुई, इसका अध्ययन करने के लिए एक परामर्श समूह का गठन भी किया था, लेकिन वैज्ञानिकों में इस संबंध में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की संभावना बहुत कम है। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के लॉरेंस गोस्टिन ने कहा, महामारी की शुरुआत कहां से हुई इसकी जांच को लेकर दुनिया के कई देश एकमत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक कोरोना मृतकों को दी गई है सहायता : राजस्व मंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार ने स्पष्ट किया है कि कोरोना के मृतकों के परिजनों को सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक सहायता दी गई हैं। राज्य सरकार ने कोरोना के मामले में कुछ भी नहीं छिपाया। बता दें कि गुजरात में कोरोना संक्रमण से मृतकों की संख्या 10099 हो गई है, दूसरी ओर राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 19964 लोगों को सहायता दिए जाने की जानकारी दी हैं। जिसके बाद से कोरोना सहायता और मृतांक में अंतर को लेकर चर्चा ने जोर पकड़ लिया हैं। सुप्रीम कोर्ट की लताड़ के बाद गुजरात के राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने इस संदर्भ में स्पष्टता की हैं। राजस्व मंत्री ने पत्रकार परिषद में कहा कि संबंधित समय पर गुजरात में कोरोना से 10093 लोगों की मौत दर्ज हुई थी। उस वक्त की व्याख्या के मुताबिक 10093 कोरोना के मृतक दर्ज हुए थे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद कोरोना मृतक की व्याख्या बदल गई। आरटी-पीसीआर टेस्ट के एक महीने में यदि मौत हुई हो तो उसे भी सहायता देने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि गुजरात में 38 हजार कोरोना से मौत के आवेदन मिले हैं। जिसमें से 22 हजार आवेदनों की प्रक्रिया पूर्ण कर आर्थिक सहायता मृतकों के परिजनों के बैंक खाते में जमा करवा दी गई हैं। अन्य राज्यों के मुकाबले गुजरात ने सबसे पहले कोरोना के मृतकों के परिजनों को सहायता दे दी हैं। अब भी आवेदन मिलेंगे तो उन्हें सहायता दी जाएगी। सरकार को अब तक 38 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि कोमोर्बिडिटी के कारण हुई मौत को कोरोना से मौत नहीं माना जाता लेकिन सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक यदि 30 दिन में मौत हुई हो, भले ही मरीज कोरोना से मुक्त हो चुका हैं। इसके बावजूद उसकी 30 दिनों में मौत होती है तो ऐसे सभी मामलों में सहायता दी जानी चाहिए। जिसकी वजह से सहायता की संख्या बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कुछ छिपाना नहीं चाहते। सरकार मेडिकल के कारण और सिद्धांत पर चलती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने व्याख्या का विस्तृत किया, जिसकी वजह से संख्या बढ़ी हैं। कोविड सहायता और आंकड़ों के बारे में जानकारी देते हुए सचिव मनोज अग्रवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के कारण सहायता प्राप्त करने वालों की संख्या में इजाफा हुआ हैं। एक महीने के भीतर मौत होने के मामले में सहायता का भुगतान कर दिया गया हैं। वास्तव में गुजरात में कोरोना से 10088 लोगों की ही मौत हुई हैं। गौरतलब है कि सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना से हुई मौत और उसकी सहायता देने के मुद्दे पर गुजरात समेत महाराष्ट्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई हैं। सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए हलफनामे में अब तक पीड़ित परिवारों की ओर से सहायता पाने के लिए 34678 आवेदन सरकार को प्राप्त हुए हैं। जिसमें से राज्य सरकार ने अब तक 19964 लोगों का सहायता राशि का भुगतान कर दिया हैं।

समाधान के लिए युवक को बुलाकर युवती के परिवार ने पीट पीट कर मार डाला

वलसाड (ईएमएस) जिले के आसलोना गांव में एक युवती के परिजनों ने उसके परिजनों ने पीट पीट कर मार के घाट उतार दिया। युवक-युवती एक-दूसरे से प्यार करते थे। बाद में युवक को युवती के परिजनों ने समाधान के लिए बुलाया था। जहां अंतिम समाधान के रूप में युवक को मौत नसीब हुई। जानकारी के मुताबिक संजय भूंसारा नामक युवक एक युवती से प्यार करता था। दोनों शादी के लिए तैयार थे लेकिन परिवार के राजी नहीं होने पर शादी से युवक और युवती लिव इन रिलेशनशिप में रहते थे। हांलाकि उस दौरान दोनों के बीच झगड़े शुरू हो गए। दोनों के बीच समाधान का मामला समाज के पंच तक पहुंच गया। निर्धारित समय और तारीख पर युवक संजय भूंसारा और परिवार की ओर से 7 लोग पंच के समक्ष मौजूद हुए। समाधान के दौरान ही बात बिगड़ गई और युवती के परिवार की ओर से आए शख्सों ने संजय भूंसारा के साथ मारपीट शुरू कर दी। पंच ने युवक को युवती पक्ष के लोगों से बचाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। पिटाई से घायल युवक को पंच के सदस्यों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया लेकिन शरीर के भीतर गंभीर चोट लगने से संजय भूंसारा की मौत हो गई। संजय भूंसारा की मौत के बाद अब समाज के पंच पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, आखिरकार उसके रहते यह संभव कैसे हुआ? पुलिस ने इस मामले में युवती के परिवार के 7 सदस्यों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया हैं। मृतक संजय भूंसारा के परिजनों की मांग है कि आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दी जाएं।

नहीं तो ५ दिन स्कूल बंद

स्कूलों को कोविड संबंधित १९ प्रश्नों की जानकारी रोजाना अपडेट करना होगा

स्कूलों में कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर का सख्ती से पालन हो इसके लिए सुरक्षा कवच पोर्टल बनाया गया है

सूरत, १४ दिसंबर।

राज्य में ओमिक्रोन का खतरा प्रतिदिन बढ़ रहा है। सूरत में गत दिन एक केस दर्ज किया गया है, जिसकी वजह से प्रशासन एक्शन में आ गया है। फिर एक बार दूसरी लहर वाली स्थिति पैदा नहीं हो इसके लिए प्रशासन कोई चांस नहीं लेना चाहता है। पूरे राज्य में स्कूलें खुल गई है और ओमिक्रोन का खतरा बच्चों पर सबसे ज्यादा है, तब सूरत में डीईओ तुरंत स्कूलों के लिए एक सूचना जारी कर दिया है। सूरत की सभी स्कूलों में कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर का सख्ती से पालन हो इसके लिए पालिका द्वारा सुरक्षा कवच पोर्टल बनाया गया है। जिसमें सभी स्कूलों को कोविड संबंधित १९ प्रश्नों की जानकारी रोजाना अपडेट करना होगा। जो स्कूल जानकारी को अपडेट नहीं करेगा तो ५ दिन स्कूल बंद रखने का निर्णय लिया गया है। इतना ही नहीं जो स्कूल सुरक्षा कवच समिति का पालन नहीं करेगा इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार पालिका ने कोविड से बचने के लिए स्कूलों के लिए सुरक्षा पोर्टल बनाया है, जिसमें सभी स्कूलों ने कोविड संबंधित मुख्य रूप से स्टाफ, विद्यार्थियों और और अभिभावकों की संख्या तथा लक्षण वाले स्टाफ -विद्यार्थियों और वैक्सीनेशन की जानकारी को अपडेट करना होगा। यदि स्कूल रोजाना फॉर्म अपडेट नहीं करेंगे और पॉजिटिव केस आएंगे तो ५ दिन के लिए स्कूल बंद किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि, पुणागाम की सुमन हाईस्कूल में पालिका और जिला शिक्षा विभाग ने बैठक की थी। जिसमें सूरत की अधिकतर आचार्य मौजूद रहे थे। जिसमें बच्चों के हित में एक निर्णय लिया गया था। पालिका ने कोविड को ध्यान में लेकर स्कूलों के लिए सुरक्षा कवच पोर्टल बनाया है। जिस पर १९ प्रश्न पूछे गये हैं। स्कूलों को रोजाना १९ प्रश्नों के जबाव के साथ फॉर्म अपडेट करना होगा।

नौ लोग अभी उपचार के तहत है

दाहोद में धार्मिक प्रसंग में भोजन लेने के बाद ४ की मौत

चार लोगों की मौत होने पर पूरे क्षेत्र में भय का माहौल घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई

देवगढ बारीया, १४ दिसंबर

दाहोद जिले में एक धार्मिक प्रसंग में भोजन लेने के बाद चार लोगों की संदिग्ध मौत होने का समाचार सामने आया है। इसके अलावा भोजन लेने के बाद ९ लोगों की तबियत बिगड़ने पर उनको उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। इस घटना के बाद देवगढ बारीया पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

महत्वपूर्ण है कि, मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का असली कारण जानने को मिलेगा। यह घटना दाहोद जिले के देवगढ बारीया के भुलवाण गांव की है। यहां एक धार्मिक प्रसंग आयोजित किया गया था। जहां बड़ी संख्या में लोग खाने के लिए इकट्ठा हुए थे। यहां भोजन लेने के बाद चार लोगों की संदिग्ध मौत हुई थी। जबकि ९ लोगों की तबियत बिगड़ने पर उनको उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। एक साथ चार लोगों की मौत होने पर पूरे क्षेत्र में भय का माहौल फैल गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने यह मामले में जांच शुरू कर दी है। हालांकि, मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का असली कारण जानने को मिलेगा। गांव की बड़ी संख्या में लोगों की इस तरीके से तबियत बिगड़ने पर गांव में हाहाकार मच गया। लोगों की तबियत बिगड़ने पर तुरंत उनको उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां ड्यूटी पर डॉक्टरों ने उनकी इलाज शुरू की। हालांकि, चार लोगों की संदिग्ध मौत होने पर उनके परिवार में भी शोक का माहौल फैल गया। दूसरी तरफ जो लोग इस प्रसंग में मौजूद रहे थे और भोजन लिया था उनके अंदर भी भय देखने को मिला था। मिली जानकारी के अनुसार चार शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही मौत का सही कारण जानने को मिलेगा। अब स्थानीय लोगों में ऐसी भी चर्चा है कि खाने-पीने में कोई जहरीला पदार्थ आ गया हो ऐसी संभावना है। जिसके बाद चार लोगों की मौत हुई थी और ९ लोगों की तबियत बिगड़ गई थी।

निर्विरोध चुने गए वापी नगर पालिका के प्रमुख-उप प्रमुख और कारोबारी प्रमुख

वलसाड (ईएमएस) गुजरात की सबसे बड़ी वापी नगर पालिका के प्रमुख और उप प्रमुख का आज चुनाव हुआ, जिसमें दोनों को निर्विरोध चुन लिया गया। नगर पालिका के कारोबारी प्रमुख को भी निर्विरोध चुना गया हैं। बता दें कि वलसाड जिले की वापी नगर पालिका के चुनाव में भाजपा ने 44 में से 37 सीटें जीतकर फिर एक बार सत्ता पर काबिज हुई हैं। जबकि कांग्रेस को केवल 7 सीटों से संतोष करना पड़ा हैं। वापी नगर पालिका के प्रमुख, उप प्रमुख और कारोबारी प्रमुख के चुनाव के लिए आज निर्वाचित सदस्यों की पहली सामान्य बैठक हुई। जिसमें भाजपा हाईकमांड द्वारा जारी मेन्डेट के मुताबिक काश्मीरा शाह को प्रमुख, अभय शाह को उप प्रमख और मितेश देसाई को कारोबारी प्रमुख निर्विरोध चुना गया। बता दें कि वापी नगर पालिका चुनाव में भाजपा ने अबकी बार ज्यादातर नए चेहरों को मैदान में उतारा था। चुनाव जीतकर वापी नगर पालिका में पहुंचे भाजपा के ज्यादातर सदस्य नए हैं। नगर पालिका की निर्विरोध प्रमुख बनीं काश्मीरा शाह पहली बार पार्षद का चुनाव लड़ा था और जीत भी गईं। भाजपा ने काश्मीर शाह पर विश्वास कर वापी नगर पालिका के प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी हैं। प्रमुख बनने के बाद काश्मीरा शाह ने कहा कि उनकी नई टीम वापी नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे कार्यों को गति देने के साथ ही शहर के विकास के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे। साथ ही लोगों की जरूरतों का अध्ययन कर विकास के नए कार्यों की योजना बनाएंगे। इतना ही नहीं पालिका के नए कारोबारी प्रमुख वापी नगर पालिका को महानगर पालिका का दर्जा दिलाने के लिए सरकार से पेश करेंगे। साथ ही वापी को सही अर्थ में महानगर पालिका बनाने की दिशा में सभी प्रयास किए जाएंगे।

बनासकांठा में दुर्घटना, पतरा काटकर शव बाहर निकाला

बनासकांठा, १४ दिसंबर।

बनासकांठा में अमीरगढ के पास नेशनल हाइवे पर मंगलवार को दो अलग-अलग जगह पर दो दुर्घटना सामने आई है। जिसमें दो व्यक्तियों की मौत हुई थी।

घटना की वजह से १०८ एंबुलेंस वैन और अमीरगढ पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कामकाज शुरू कर दिया। अमीरगढ के पास नेशनल हाइवे पर मंगलवार को दो अलग-अलग जगह पर दो दुर्घटना हुई है। जिसमें भडथ गांव के पास ट्रिपल दुर्घटना हुई थी। पवनचक्की के पंख लेकर जा रहे ट्रेलर और इको कार के बीच दुर्घटना हुई। जिसमें एक ट्रेलर और ट्रक के बीच इको गाड़ी फंस गई जिसकी वजह से वह चकनाचूर हो गई और इसमें चालक की घटनास्थल पर मौत हो गई।

दुर्घटना इतना भयंकर था कि इको गाडी की पतरा काटकर चालक के शव को बाहर निकाला गया। इसके अलावा अमीरगढ के जोरापुरा पाटिया के पास रिक्शा और बाइक के बीच दुर्घटना हुई थी।

पांच लोगों का चमत्कारिक बचाव

सूरत निकट पानी से भरी नहर में कार गिर गई

चौंकाने वाली बात यह है कि, यह परिवार नहर में फंसा हुआ था तब पानी भी पूरे प्रेशर में बह रहा था

सूरत, १४ दिसंबर।

सिलवासा के एक परिवार की गाड़ी नहर में गिरने के बाद भी इसमें सवार चार महिला और एक पुरूष का चमत्कारिक बचाव हुआ है। मंगलवार को सुबह के अंधेरे में हुई इस घटना में गाड़ी नहर में गिरने के बाद इसमें सवार पांच लोग ब्रिज के बीच की एक फीट जगह में सांस लेते रहे थे। चौंकाने वाली बात यह है कि, यह परिवार नहर में फंसा हुआ था तब पानी भी पूरे प्रेशर में बह रहा था। दो घंटे तक यह परिवार नहर में फंसे रहने के बाद आखिर में सूरत फायर ब्रिगेड और पुलिस द्वारा इसका रेस्क्यू किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, फायर ब्रिगेड ने अजीम खान (उम्र.५०), सुमानिया (उम्र.४२), आलिया (उम्र.२१), फाहिमा (उम्र.१८) को बचा लिया गया। यह सभी सिलवासा के निवासी है। दुर्घटना का शिकार बनने वाला परिवार अंकलेश्वर से सिलवासा वापस जा रहा था। अजीमभाई जूनी कापोदरा पुलिस चौकी निकट सर्विस रोड पर कार चला रहे थे। हालांकि, चालक ने स्टियरिंग पर से काबू गंवाने पर गाड़ी सर्विस रोड पर से नहर में गिर गई थी। नहर में सोमवार को पानी छोड़ना शुरू किया गया। कार इसमें गिर गई उस समय में पानी तेज बहाव से बह रही होने से कार देखते ही देखते तैरने लगी थी। आखिर में कुछ तैरने के बाद गाड़ी एक ब्रिज के नीचे जाकर रूक गई थी। शुरूआत में तो कार में फंसे हुए लोग दरवाजा लॉक हो जाने पर बाहर नहीं आ सके। हालांकि, कुछ देर में आगे का शीशा टूट गया था और कार में पानी भरना शुरू हो जाने पर एक-एक करके सभी लोग बाहर आ गये थे। जैसे सभी लोग बाहर आये कि कुछ ही सैकंड में पूरी गाड़ी डूब गई थी। नहर के १५० मीटर हिस्सा स्थित है। जिसके एक कोने पर गाड़ी १० मीटर अंदर घुस गई थी। गाड़ी में से बाहर आ जाने के बाद सभी लोग कार की बॉडी के मदद से पानी के फोर्स में टिके रहे।

सूरत शहर से रिश्तों को कलंकित करती घटना

भांजी ने चाचा को रोड के बीच चाकू मार दिया

चाचा को भांजी के युवक के साथ संबंध के विरोध में थे करीब ६ महीने से युवक यह लोगों के साथ घर में रहता है

सूरत, १४ दिसंबर।

सूरत शहर से एक रिश्तों को कलंकित करती घटना सामने आई है। यहां एक ३० वर्षीय शख्स ने अपनी १७ वर्षीय भांजी की एक युवक के खिलाफ संबंध का विरोध किया था।

इसी वजह से भांजी और इसके बॉयफ्रैंड ने मिलकर शनिवार को देर रात को अपने चाचा पर हमला किया। वहां से जा रहे लोगों ने उनको बचाया और अस्पताल ले गये थे। अस्पताल में यह मामले में पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई थी। महिधरपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, महेशभाई महिधरपुरा क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहते है। महेशभाई की विधवा भाभी भी इसी क्षेत्र में अपनी दो बेटियों के साथ रहती है। महेशभाई अपनी भांजी की एक युवक के साथ संबंध के विरोध में थे। शिकायत के अनुसार करीब छह महीने से वह युवक यह लोगों के साथ उनके घर में रहता है। शनिवार को देर रात को महेशभाई सहारा गेट के पास अंडरपास पर खड़े थे और उस समय में उन्होंने भांजी पायल और इसके बॉयफ्रैंड को देखा। महेशभाई ने उनको रोका और अपनी भांजी को यह लड़के के साथ इस प्रकार से घूमने से मना किया। महेशभाई के हस्तक्षेप से नाराज हुई युवती और इसके बॉयफ्रैंड ने लड़ाई शुरू कर दी थी। कुछ देर में तो उसने चाकू निकाली और महेशभाई पर हमला किया। पायल ने महेशभाई के पेट में चाकू मार दिया जबकि इसके बॉयफ्रैंड ने पैर में मार दिया।

महेशभाई ने मदद के लिए शोर मचाया दोनों वहां से फरार हो गये। घायल महेशभाई को अस्पताल ले गये जहां उन्होंने पायल और इसके बॉयफ्रैंड के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराई थी। महिधरपुरा पुलिस ने आईपीसी की धारा ३२४, ३२६ और गुजरात पुलिस एक्ट के सेक्शन १३५ के तहत अपराध दर्ज किया है।

परीक्षा के दो दिन पहले जुड़वा भाइयों ने फांसी लगाई फांसी, एक की मौत, दूसरा गंभीर

वडोदरा (ईएमएस) शहर के अलकापुरी क्षेत्र में रहनेवाले और कक्षा 12 सायंस की पढ़ाई कर रहे जुड़वा भाइयों ने अपने स्टडी रूम में फांसी लगा ली। इस घटना में एक की मौत हो गई और दूसरे की हालत गंभीर बताई गई हैं। शहर की लक्ष्मीपुरा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की हैं। घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार वडोदरा के न्यू अलकापुरी क्षेत्र के शांतनु एपार्टमेंट शिक्षक दंपत्ति जुड़वों बेटों के साथ रहता हैं। जुड़वा भाई कक्षा 12 सायंस की पढ़ाई कर रहे थे और दो दिन के बाद परीक्षा थी। परीक्षा के दो दिन से पहले ही दोनों भाइयों ने अपने स्टडी रूम में पंख से फांसी लगा ली। इस घटना में एक की मौत हो गई और दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही हैं। पुलिस की प्राथमिक रिपोर्ट के मुताबिक परीक्षा के डर से जुड़वा भाइयों ने फांसी लगा ली। फिलहाल लक्ष्मीपुरा पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की हैं।

वलसाड की घटना सीसीटीवी में कैद हुई

४ दिन के बच्चे की चोरी करके फरार महिला गिरफ्तार

बच्चे की चोरी होने पर अस्पताल-पुलिस प्रशासन में भगदड़, पांच घंटे की मेहनत बाद बच्चे के साथ महिला की गिरफ्तारी

वलसाड, १४ दिसंबर।

शहर की सिविल अस्पताल से ४ दिन के एक नवजात बच्चे की चोरी की घटना होने से भगदड़ मच गई है।

सिविल अस्पताल की तीसरी मंजिल पर स्थित गायनेक वार्ड से सिर्फ ४ दिन के नवजात बच्चे की चोरी करके अज्ञात महिला फरार हो जाने की घटना सामने आने से अस्पताल विभाग में भगदड़ मच गई है। अपने ४ दिन के मासूम की चोरी होने पर बच्चे की मां-पिता की जान खतरे में पड़ गई।

सिविल में हुई इस घटना की जानकारी पुलिस विभाग को मिलने पर वलसाड सिटी पुलिस का काफिला तुरंत स्थल पर पहुंच गया और बच्चे को ढूंढने के लिए जांच तेज कर दी। हालांकि, प्राथमिक जांच में ही पुलिस और अस्पताल प्रशासन द्वारा अस्पताल में लगाये गये सीसीटीवी फूटेज की जांच की थी।

इस जांच में बच्चे की चोरी करके और एक महिला अस्पताल से बाहर निकलती सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। इसी वजह से पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार पर महिला को ढूंढने के लिए वलसाड शहर और सिविल अस्पताल आसपास के क्षेत्र में पुलिस ने नाकाबंदी की थी। इस तरह लगातार पांच घंटे तक पुलिस ने बच्चे को उठाकर और फरार हुई महिला को गिरफ्तार करने के लिए पूरे क्षेत्र में ढूंढ लिया। आखिर में पुलिस की मेहनत रंग लाई और सिविल अस्पताल से बच्चे की चोरी फरार हुई महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। महिला गिरफ्तार होने पर बच्चे के मां-पिता और पुलिस के साथ सिविल प्रशासन ने भी राहत महसूस की। मिली जानकारी के अनुसार, बोइसर के तारापुर की निशा चौहाण नाम की एक महिला को प्रसव के लिए सिविल अस्पताल की तीसरी मंजिल पर स्थित गायनेक वार्ड में भर्ती किया था। चार दिन पहले महिला ने बच्चे को जन्म दिया था। इसके बाद बच्चे के साथ महिला अस्पताल में भर्ती थी।

उसी समय में अज्ञात महिला यह गायनेक वार्ड में आई और बच्चे की मां निशा चौहाण से बच्चे को वैक्सीन दिलाने का बहाना बताकर ले गई थी।

बजरंग दल द्वारा बैनर फाड़कर जलाया गया

रेस्टोरेंट द्वारा पाक की फूड फेस्टिवल के बैनर बाद विवाद

सूरत, १४ दिसंबर।

शहर के रिंग रोड क्षेत्र की टेस्ट ऑफ इंडिया रेस्टोरेंट द्वारा पाकिस्तानी फूड फेस्टिवल की घोषणा करने पर बैनर लगा देने पर भारी विवाद पैदा हो गया है। होर्डिंग्स मामले की जानकारी मिलने पर बजरंग दल के कार्यकर्ता वहां पहुंच गये और विरोध दर्ज कराकर सभी बैनर उतारकर जला दिया गया और साथ में रेस्टोरेंट संचालक को फिर से ऐसा नहीं हो ऐसी चेतावनी दी थी। मिली जानकारी के अनुसार रिंग रोड स्थित टेस्ट ऑफ इंडिया रेस्टोरेंट द्वारा पाकिस्तानी फूड फेस्टिवल के नाम पर बैनर प्रिंट किया गया था। सूरत बजरंग दल के कार्यकर्ता द्वारा स्थल पर से बैनरों को दूर करके फाड़ दिया गया था और इसे जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। पूरे मामले में बजरंग दल का कहना है कि, कार्यकर्ताओं द्वारा हमें खबर मिली थी। जिसकी वजह से हमने स्थल पर जाकर जांच करने पर इस्लामिक आतंकवादी देश पाकिस्तान फूड फेस्टिवल के बैनर दिखाई देने पर नीचे उतारकर जला दिया गया।

बजरंग दल के सदस्य ने कहा है कि, देशविरोधी देश के फूड फेस्टिवल नहीं चलाई जाएगी और इसके साथ ही रेस्टोरेंट मालिक को चेतावनी दी थी कि अब ऐसा काम किया तो जबाव देंगे।

स्मार्टकेम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने ओडिशा के गोपालपुर में इसके विश्व स्तरीय तकनीकी अमोनियम नाइट्रेट प्लाट में रु। 2200 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे:

दिसंबर, 2021: भारत में रसायनों और खाद विश्वसनीय निर्माता दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (अ्झ्ण्थ)की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी स्मार्टकैम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एसटीएल),द्वारा 9 दिसंबर, 2021 को गोपालपुर औद्योगिक पार्क में अपने तकनीकी अमोनियम नाइट्रेट (ऊॅं-)शिलान्यास की रस्म अदा की गई। ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के हाथों स्मार्टकॉम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री शैलेश मेहता और ऊर्जा, उद्योग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री दिव्य शंकर मिश्र की उपस्थिति में परियोजना का शिलान्यास समारोह संपन्न हुआ।

स्मार्टकैम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री शैलेश मेहता ने कहा कि एसटीएल ने खनन और बुनियादी ढांचे में विकास का समर्थन करने के लिए ओडिशा के साथ भागीदारी की है और यह पूर्वी क्षेत्र में परिचालन का विस्तार करने और हमारे अंतिम उपयोगकर्ताओं के करीब आने के हमारे दस साल के सपने को साकार करने की दिशा में पहला कदम है।तकनीकी अमोनियम नाइट्रेट एक बहुत ही महत्वपूर्ण कच्चा माल है,जो देश के बुनियादी ढांचे, अर्थव्यवस्था और विकास को बढ़ावा देगा। हम आयात पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं और गोपालपुर इंडस्ट्रियल पार्क का रणनीतिक स्थान हमें निकट भविष्य में बहुत जल्दी ऐसा करने में मदद कर सकता है।टाटा एसईजेडएल सहयोगी कंपनियों को आकर्षित कर सकता है और विकास का केंद्र बना रहेगा।

कलर्स के 'बालिका वधू' में आनंदी का 18वां जन्मदिन एक बड़ा ट्विस्ट लेकर आएगा

कलर्स के लोकप्रिय शो 'बालिका वधू' ने देखने लायक ड्रामा और चौंकाने वाले ट्विस्ट्स से भरे अपने दिलचस्प कथानक से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। हर बीतते सप्ताह के साथ दर्शक आनंदी (शिवांगी जोशी द्वारा अभिनीत) को बालविवाह की बेड़ियों से आजाद होने और अपनी किस्मत खुद लिखने के लिये संघर्ष करता देख रहे हैं। बच्ची से किशोरी बनने तक का उसका सफर तारीफ के काबिल रहा है और अब नया सफर उतना ही कठिन और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। तो जश्न मनाने और खूब सारा ड्रामा देखने के लिये तैयार हो जाइये, क्योंकि हमारी आनंदी 18 साल की होने जा रही है और उसका यह जन्मदिन हर किसी को रोमांचित कर देगा।

मां-पिता के लिए चौंकाने वाला मामला

अहमदाबाद में दो वर्ष की बच्ची ने एलईडी बल्ब निगल लिया

दो वर्ष की बच्ची खिलौने के साथ खेलते समय एलईडी बल्ब निगल गई थी जो श्वासनली तक पहुंच गया था

अहमदाबाद, १४ दिसंबर।

क्या आपका बच्चा इलेक्ट्रोनिक खिलौना खेल रहा है तो सावधान हो जाए। मां-पिता के लिए चौंकाने वाला मामला अहमदाबाद सिविल में सामने आया है। जहां दो वर्ष की बच्ची एलईडी बल्ब निगल गई थी। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने काफी प्रयास के बाद सर्जरी द्वारा बल्ब दूर किया था। दो वर्ष की बच्ची खिलौने के साथ खेलते समय एलईडी बल्ब निगल गई थी। जो श्वासनली तक पहुंच गया था। एलईडी बल्ब के इलेक्ट्रोनिक के दोनों सिरों से एक सिरा दाईं ओर के फेफड़े में जबकि अन्य सिरा श्वासनली में फंस गया था। काफी मेहनत के बाद सिविल अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने सर्जरी शुरू करके बल्ब सफलतापूर्वक दूर किया था। १० दिसंबर को दो बच्चे बाह्य पदार्थ निगल जाने की शिकायत और दर्द के साथ अहमदाबाद सिविल अस्पताल में उपचार के लिए पहुंच गये। दो वर्ष की ज्योति जबकि खिलौने से खेल रही थी तब खेलते खेलते खिलौने में लगाया गया एलईडी बल्व निगल गई थी। इसकी मां राजकुमारीबहन को यह मामले की जानकारी मिलने पर वह तुरंत उपचार के लिए सिविल अस्पताल की १२०० बेड अस्पताल में पहुंच गई। अस्पताल में एक्स-रे और सिटी स्केन कराया गया जिसमें यह एलईडी बल्व श्वासनली में फंस गये होने का निदान हुआ था। अब दूसरे एक मामले में मेहसाणा के हनुभाई वणजारा की दो वर्ष की बेटी हिना को तीन दिन से सांस लेने में मुश्किल हो रही थी। स्थानीय अस्पताल में सिटी स्केन कराने पर मालूम हुआ कि सींग का दाना श्वासनली में फंस गया है। जिसे अत्यंत जटिल और विशेषज्ञ डॉक्टरों ने सर्जरी द्वारा दूर किया जा सकेगा। जिसके उपचार के लिए हीना के पिता बच्ची को सिविल अस्पताल ले गये। जहां डॉ. महेश वाघेला और एनेस्थेसिया विभाग की डॉ. किरन पटेल ने यह जटिल सर्जरी को पूरा करने के लिए काफी प्रयास करके इसे सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया।

सुप्रिया लाइफसाइंसेज लिमिटेड का आईपीओ 16 दिसंबर, 2021 को खुलेगा

मुंबई, 13 दिसंबर, 2021: सुप्रिया लाइफसाइंसेज लिमिटेड (''कंपनी'') के आईपीओ की निविदा/ऑफर 16 दिसंबर, 2021 को खुलेगा।

ऑफर का प्राइस बैंड 265 रु. से 274 रु. प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यू नतम 54 इक्विटी शेयर और उसके बाद इसके गुणकों में बोलियां लगायी जा सकती हैं।

कंपनी की योजना कुल 7000 मिलियन रु. तक का फंड जुटाने की है। ऑफर में कंपनी के 2000 मिलियन रु. तक के इक्विटी शेयर्स के फ्रेश इश्यू (''फ्रेश इश्यू'') और श्री सतीश वामन वाघ (''प्रवर्तक विक्रेता शेयरधारक''), (''ऑफर फॉर सेल'', फ्रेश इश्यूश के साथ, ''ऑफर'') के कुल 5000 मिलियन रु. तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है।

रेड हेरिंग प्रॉस्पेपक्ट0स के जरिए उपलब्धी कराये जाने वाले इक्विटी शेयर्स बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किये जाने हेतु प्रस्ताएवित हैं।

आईसीआईसीआई सिक्योचरिटीज लिमिटेड और एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, बुक रनिंग लीड मैनेजर्स हैं।

सुप्रिया लाइफसाइंस लिमिटेड अनुसंधान और विकास पर ध्यान देने के साथ सक्रिय फार्मास्यूटिकल्स सामग्री (एपीआई) के प्रमुख भारतीय निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। 31 अक्टूबर, 2021 तक, इसमें एंटीहिस्टामाइन, एनाल्जेसिक, एनेस्थेटिक, विटामिन, एंटी-अस्थमा और एंटीएलर्जिक जैसे विविध चिकित्सीय खंडों पर केंद्रित 38 एपीआई के विशिष्ट उत्पाद पेशकश हैं।

पश्चिम रेलवे- वडोदरा मंडल

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना सं. DRM BRC 128 थी 132/ 2021-22 दि. 31.12.2021की निविदा सं. DRM BRC 129/2020-21 के निविदा दस्तावेज में संशोधन। निविदा सूचना सं. DRM BRC 128 से 132/2021-22 दि. 31.12.2021 से प्रकाशित निविदा संख्या DRM BRC 129/2021-22 को तकनीकी कारणों से रद्द कर दिया गया है।

W/623/NIT of 2021-22 दिनांक 10.12.2021 195

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, २,श्रीनाथ चेम्बर, सरदार भवन लेन, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 0265-2435952, अहमदाबाद : 079-22921482 Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96